

मोदी के 25 साल के सेवा सफर को गांव-गांव पहुंचाएगी भाजपा, 17 सितंबर से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। अभियान की तैयारियों को लेकर रविवार को भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के तहत जिलेभर में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के साथ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने पर चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि मंडल, पंचायत और गांव स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

15 हजार में सेविंग और डेढ़ लाख रुपये में बिका करंट खाता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी के लिए शहर में बाकायदा म्यूल अकाउंट का बाजार चल रहा था। सेविंग अकाउंट 15 से 20 हजार रुपये और करंट अकाउंट एक से डेढ़ लाख रुपये तक में उपलब्ध कराया जा रहा था। खाते के साथ लिंक सिम, एटीएम-डैबिट कार्ड, पासबुक और चेकबुक की पूरी किट भी खरीदार को सौंप दी जाती थी। विजयनगर पुलिस ने ऐसे ही म्यूल अकाउंट की खरीद-फरोख्त करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर इस नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले ठा को दूसरे लोगों के नाम से संचालित बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इन खातों में साइबर ठगी की रकम जमा होने के बाद उसे अलग-अलग माध्यमों से ट्रान्सफर या निकाला जाता था। पुलिस को आरोपितों के खातों में भी लाखों रुपये के सति्ध लेन-देन की जानकारी मिली है। अब जांच इस बात पर केंद्रित है कि इन खातों से कितनी ठगी की रकम गुजरी और इसके पीछे देशभर में फैले साइबर ठगों का कौन सा नेटवर्क सक्रिय है।

खाता ही नहीं, पूरी बैंकिंग किट मिलती थी- एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्रसिंह के अनुसार पुलिस ने प्रारंभिक जांच में ही आरोपित दिलीप पुज राजाराम कुशवाह निवासी सुखलिया, विश्वराज सिंह झाला निवासी बिजलपुर-राह और वंसरजा मोदी निवासी कर्नाडिया को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने केवल दूसरे लोगों के नाम से बैंक खाते उपलब्ध नहीं कराए, बल्कि अपने बैंक खाते भी अन्य व्यक्तियों को इस्तेमाल के लिए दिए थे।

इंदौर की सड़कों पर दौड़ेंगी भोपाल में चल चुकी बसें, तीन साल पुरानी सेकंड हैंड बसें के साथ शुरू होगी 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा'

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सहित प्रदेशभर में 25 सितंबर से 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' की शुरुआत हो रही है। इंदौर में इस सेवा के तहत सेकंड हैंड बसें में शहरवासियों के सफर के शुरुआत होगी। भोपाल की सड़कों पर चल चुकी बसों को रंग-रोगन कर नया बनाया जा रहा है। इन बसों को शहर की सड़कों पर चलाया जाएगा। फिलहाल 12 बसों को भोपाल से इंदौर लाकर उनकी सर्विसिंग कर नए कलेवर में तैयार किया जा रहा है। शहर की सड़कों पर पीएम ई-बस सेवा के तहत चल रही नई नारंगी रंग की इलेक्ट्रिक बसों की तरह इन बसों तरह पुरानी नान एससी बसों को रंगकर नया रुप दिया जा रहा है।

50 से 70 हजार किलोमीटर चल चुकी बसें इंदौर में चलेंगी- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत बस आपरेटर जिन बसों को भोपाल से लाकर इंदौर में चलाने वाले हैं। उनमें से कुछ बसे भोपाल के भीरी से मंडीदीप के बीच चल चुकी है। ये बसें 50 से 70 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है और अब इन्हें रंग-रोगन कर नया रुप देकर इंदौर की सड़कों पर चलाया जाएगा।

गौरतलब है कि एआइसीटीएसएल द्वारा इंदौर में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत बस आपरेटर के साथ 50 फीसद नई और 50 फीसद पुरानी बस अनुबंध के तहत चलाने का अनुबंध किया गया है। इंदौर में चलाई जाने वाली ये डीजल बसे वर्ष 2022-23 में बनी है। यानि ये बसें करीब तीन साल पुरानी है। अनुबंध के तहत एआइसीटीएसएल ने वर्ष 2018 में बनी पुरानी बसों को शहर में चलाने पर सहमति दी है।

यह पहला मौका है जब एआईसीटीएसएल ने बस खरीदने के लिए आपरेटर को एक भी रुपया नहीं दिया है। आपरेटर को वीजीएफ व अन्य बस खरीदने का पैसा भी हम नहीं दे रहे। आपरेटर खुद ही बसे लाएंगे और उसके बदले में सीटी बस प्रबंधन को प्रीमियम देंगे। यही वजह है कि ऑपरेटर को पुरानी बसें भी चलाने की अनुमति दी है। इंदौर में 50 फीसद पुरानी व 50 फीसद नई बसें चलाई जाएगी। बसों की फिटनेस व सेफ्टी भी सुनिश्चित करेंगे। बस आपरेटर की मोनोपाली न रहे,इस वजह पांच से छह आपरेटर को अलग-अलग रूट का जिम्मा दिया गया हैं। अगले दो से तीन माह में इंदौर से अन्य शहरों के बीच भी बसें चलाई जाएगी। उसमें 50 फीसद पुरानी बसों को आपरेटर चलाएंगे।

-अर्थ जैन, सीईओ एआईसीटीएसएल



अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन, सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों का संदेश आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में सेवा,

जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत आशीर्वाद का दिया, सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, बड़नगर सेवा वाराणसी, सेवा मेरा योगदान, सेवा हेतु

अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इन्वोवेशन चैलेंज और जन सेवक महाकुंभ सहित विभिन्न कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई है। इसके साथ 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने

शिक्षा को विचारधारा की प्रयोगशाला और युवाओं के भविष्य को बेरोजगारी की कतार बना रही भाजपा सरकार : जीतू पटवारी



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, बेरोजगारी और 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छत्रों की गुंज' कार्यक्रम को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है और प्रदेश के युवा रोजगार तथा भर्ती परीक्षाओं से जुड़े सवालों को लेकर परेशान हैं।

पटवारी ने कहा कि शिक्षा किसी विचारधारा की प्रयोगशाला नहीं, बल्कि ज्ञान, तर्क, शोध और वैज्ञानिक

सोच का केंद्र होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के अनेक स्कूल जर्जर स्थिति में हैं, शिक्षकों की कमी है और शिक्षा लगातार महंगी होती जा रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में वैचारिक हस्तक्षेप बढ़ने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को ज्ञान और शोध के केंद्र के रूप में विकसित करने की जरूरत है।

उन्होंने सरकार से शिक्षा नीति की स्वतंत्र, निष्पक्ष और वैज्ञानिक समीक्षा करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के 2026-27 के बजट में शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति के लिए 752,917 करोड़ का प्रावधान बताया गया है, जबकि 2025-26 के संशोधित अनुमान में यह राशि 746,844 करोड़ थी। पटवारी ने कहा कि बजट बढ़ाने के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन वास्तविक सवाल यह है कि इसका लाभ विद्यार्थियों और शिक्षकों तक कितना पहुंच रहा है। उन्होंने जर्जर स्कूलों, शिक्षकों की कमी, महंगी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में घटते भरोसे को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत फ्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, साइबर फ्रॉड से जुड़े 50 से अधिक मामलों में इस्तेमाल बैंक खातों के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत फ्राइम ब्रांच इंदौर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों और बैंकिंग दस्तावेजों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 21 बैंक पासबुक, 8 एटीएम कार्ड, 20 चेकबुक, 7 न्यूआर कोड और एक एचपी कंपनी का लैपटॉप बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार साइबर फ्रॉड में प्रयुक्त बैंक खातों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान फ्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी कर सति्ध ललित उर्फ ऋषि सुतार को मोटरसाइकिल सहित पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास बड़ी संख्या में बैंकिंग दस्तावेज और डिजिटल उपकरण मिले।



जात बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और अन्य दस्तावेजों के संबंध में आरोपी कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद फ्राइम ब्रांच ने जस बैंक खातों की नेशनल साइबर फ्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल यानी एनसीआरपी पर जांच की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन बैंक खातों से संबंधित 50 से अधिक साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें देश के अलग-अलग

हिस्सों में दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक इन खातों का इस्तेमाल लगभग 3 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से संबंधित मामलों में किया गया है। जांच में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, एपीके आधारित फ्रॉड, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी सहित अन्य

साइबर अपराधों से इन खातों का संबंध सामने आया है।

इन साइबर अपराधों के तार महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, अंडमान-निकोबार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब, बिहार, गुजरात और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से जुड़े पाए गए हैं। इससे मामले में अंतरराज्यीय साइबर अपराध नेटवर्क की आशंका को देखते हुए जांच को आगे बढ़ाया

त्योहारों से पहले इंदौर पुलिस का सरप्राइज सघन चेकिंग अभियान, 397 बदमाशों पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्योहारों को देखते हुए इंदौर पुलिस ने अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए 12 और 13 सितंबर की दरमियानी रात से सुबह तक शहरभर में सरप्राइज सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में चारों जोन के वरिष्ठ अधिकारियों और थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस बल ने गुंडे-बदमाशों, असामाजिक तत्वों और सति्ध गतिविधियों में शामिल लोगों की सघन जांच की। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में सति्धों को चेक किया गया और 397 लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित 195 से अधिक वारंट तामील कराए गए। इनमें 46 स्थायी वारंट, 45 गिरफ्तारी वारंट और 104 जमानती वारंट शामिल हैं। पुलिस ने लंबे समय से फरार आरोपियों की भी तलाश की और कई फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर भी पुलिस ने सख्ती दिखाई। अभियान के दौरान 101 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने सख्त किरा कि नशे में वाहन चलाकर दूसरों की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।



यथायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, ब्लैक फिल्म, हट्टर और मोडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल करने वालों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। अवैध मादक पदार्थों के सेवन के मामले में दो प्रकरण दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ नौ प्रकरण दर्ज किए गए। मल्हारांज थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार प्रकरण दर्ज किए और 80 क्रांटर इलाक जप्त की।

अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए द्वारिकापुरी थाना पुलिस ने एक आरोपी को तलवार के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की। वहीं खजराना थाना पुलिस ने जिलाबद्ध अवधि का उल्लंघन कर क्षेत्र में घूम रहे बदमाश फैजान उर्फ काटू, निवासी तंजमी नगर खजराना, को गिरफ्तार कर मध्यप्रदेश राज्य

18 अक्टूबर को निकलेगी विशाल चुनरी यात्रा, बड़ा गणपति से बिजासन माता मंदिर तक जाएगा कारवां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि पर्व के अवसर पर इस वर्ष 18 अक्टूबर रविवार को बड़ा गणपति मंदिर से बिजासन माता मंदिर तक विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल होकर मां बिजासन को ढाई किलोमीटर लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। यात्रा के आयोजन को लेकर बड़ा गणपति स्थित हंसदास मठ में वृहद बैठक आयोजित की गई, जिसमें वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय कवि सत्यनारायण सत्तन तथा चुनरी यात्रा संयोजक एवं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए सत्यनारायण सत्तन ने कहा कि मां बिजासन इंदौर की आस्था का प्रमुख केंद्र हैं। प्राचीन काल में युद्ध पर लगे हुए माता की पूजा कर



विजय की कामना की जाती थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी देश और सनातन संस्कृति के सामने अनेक चुनौतियां हैं। इन आसुरी शक्तियों पर विजय और सनातन धर्म को सशक्त बनाने के लिए मां बिजासन का आशीर्वाद आवश्यक है।

चुनरी यात्रा संयोजक सुदर्शन गुप्ता ने बताया कि नवरात्रि के दौरान प्रतिवर्ष बड़ा गणपति से मां बिजासन मंदिर तक विशाल चुनरी यात्रा आयोजित की जाती है। कोरोना महामारी के दौरान चुनिंदा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में इस परंपरा को कायम रखा गया। अब

क्षेत्रीय श्रद्धालुओं और मातृशक्ति की विशेष मांग को देखते हुए यात्रा को पुनः भव्य स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष 18 अक्टूबर को निकलने वाली यात्रा में मां बिजासन को ढाई किलोमीटर लंबी चुनरी अर्पित की जाएगी।

बैठक का संचालन पार्षद महेश चौधरी ने किया, जबकि आभार पूर्व मंडल अध्यक्ष नितिन कश्यप ने माना। बैठक में एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान, अधिनी शुक्ल, राकेश शर्मा, भूपेंद्र केसरी, चेतक कमल वाघेला, पार्षद महेश चौधरी, शिखा सदीप दुबे, बरखा नितिन मालू, संघ्या यादव, भावना मनोज मिश्रा, राहुल जायसवाल, सीमा कृष्णवल्लभ डाबी, पराग कौशल, ममता सुभाष सुनेरें, सोनाली मुकेश धारकर, नितिन कश्यप, नीता मुकेश शर्मा, बबली नरवले, गगन यादव और सावन वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

बारिश भी नहीं रोक सकी इंदौरवासियों का उत्साह, राष्ट्रीय लोक अदालत में 97.57 करोड़ का राजस्व संग्रह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश के बावजूद इंदौरवासियों का उत्साह कम नहीं हुआ और राष्ट्रीय लोक अदालत में नगर निगम को रिपोर्ट राजस्व प्राप्त हुआ। 12 सितंबर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में इंदौर नगर निगम ने कुल 797,56,66,208 यानी लगभग 797.57 करोड़ का राजस्व संग्रह किया। इस दौरान 24,660 रसिदें जारी की गईं। नगर निगम अधिकारियों ने इस उपलब्धि का श्रेय शहरवासियों की जागरूकता, सहभागिता और नगर निगम के प्रति उनके विश्वास को दिया।

प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर, आयुक्त क्षितिज सिंघल और प्रभारी राजस्व निरंजन सिंह चौहान के निर्देशन में आयोजित लोक अदालत को लेकर अपर आयुक्त आकाश सिंह ने बताया कि प्रतिकूल मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में नागरिक अपने बकाया करों का भुगतान करने के लिए पहुंचे। देर रात तक राजस्व कार्यालयों में भुगतान का सिलसिला जारी रहा। नागरिकों की इस सक्रिय

भागीदारी ने शहर के विकास के प्रति उनकी जिम्मेदारी और जागरूकता को प्रदर्शित किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में संपत्तिकर से लगभग 789 करोड़, जलकर से करीब 78 करोड़ और ठेस अपशिष्ट प्रबंधन से लगभग 70.55 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके अलावा इंदौर विकास प्राधिकरण से लगभग 73.36 करोड़ तथा मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से करीब 71.50 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। इन दोनों संस्थाओं से प्राप्त राशि को छोड़कर लगभग 792.71 करोड़ का राजस्व आम नागरिकों और संपत्तिधारकों के सहयोग से नगर निगम को मिला।

नगर निगम के अनुसार इस उपलब्धि की खास बात यह रही कि बारिश के बावजूद नागरिक बड़ी संख्या में भुगतान के लिए पहुंचे। उनकी सहभागिता को केवल राजस्व संग्रह के आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि शहर के विकास में नागरिकों की भागीदारी और नगर निगम पर उनके विश्वास के रूप में देखा जा रहा है।

नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम के सभी राजस्व कार्यालय देर रात तक खुले रहे। राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पूरी ततरता से व्यवस्थाएं सभालीं, जिससे भुगतान प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रही। वहीं ई-नगरपालिका पोर्टल ने भी लोक अदालत के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोर्टल के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया निर्बाध रही और किसी भी तकनीकी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। तकनीकी सहयोग के लिए ई-नगरपालिका की टीम राजस्व मुख्यालय में मौजूद रही।

नगर निगम ने इस सफल आयोजन के लिए शहर के नागरिकों और संपत्तिधारकों के साथ राजस्व अधिकारियों-कर्मचारियों, इंदौर विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और ई-नगरपालिका को तकनीकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। निगम का कहना है कि नागरिकों के इसी सहयोग और विश्वास से इंदौर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

राजकुमार ब्रिज के नीचे ब्राउन शुगर के साथ आरोपी गिरफ्तार, 18.8 ग्राम मादक पदार्थ जब्त



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फ्राइम ब्रांच इंदौर ने कार्रवाई करते हुए राजकुमार ब्रिज के नीचे श्री त्रिवेणश्वर महादेव मंदिर के सामने से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 18.8 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत 71.80 लाख बताई गई है। पुलिस के अनुसार

12 सितंबर 2026 की रात फ्राइम ब्रांच की टीम राजकुमार ब्रिज के नीचे सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सति्ध अवस्था में घूम रहे गुलरेज मेव, निवासी थाना खजराना क्षेत्र, को घेराबंदी कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके कमर बैग से 18.8 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ फ्राइम ब्रांच थाने में अपराध क्रमांक 0144/2026 दर्ज किया गया। प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी छद्म कक्ष शक्ति है और रिक्शा चलाने का काम करता है। उससे मादक पदार्थ की सप्लाई, खरीदारों और अन्य सलायारों से जुड़े नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ से सामने आने वाली जानकारी के आधार पर मामले में अन्य सलित लोगों की भूमिका की जांच की जाएगी। इंदौर पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में फ्राइम ब्रांच द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार 1 जनवरी 2026 से 13 सितंबर 2026 तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 67 प्रकरणों में 142 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन कार्रवाइयों में 2.99763 किलोग्राम एमडी ड्रप्स, 28.338 किलोग्राम गांजा, 500 किलोग्राम भांग, 346.22 ग्राम ब्राउन शुगर और 10 ग्राम कोकीन सहित करीब 73.77 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ एवं वाहन जब्त किए गए हैं। पूरी कार्रवाई फ्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम द्वारा की गई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जांच में जुटी है।

केसर-चंदन से महक उठा मनमोहन पार्श्वनाथ मंदिर, भक्ति में डूबा मालवांचल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य क्षेत्र रसकोर्स रोड स्थित श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में पर्युषण पर्व पर शनिवार को धर्म, आराधना और भक्ति का उल्लस छया रहा। सुबह से ही भगवान पार्श्वनाथ के दर्शनों के लिए हजारों श्वेतांबर जैन समाजजनों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मंदिर में केसर-चंदन की सुगंध और चंपा, चमेली, गुलाब, गेंदा व रजनीगंधा के फूलों से की गई भव्य सजावट ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर एवं ट्रस्ट अध्यक्ष ध्यासिंह जैन और सचिव शैलेश अंबोर ने बताया कि पर्व के दौरान केसर प्रभावना, विशेष पूजन-अर्चन और धर्म आराधना का क्रम जारी है। कोलकाता, मुंबई और अहमदाबाद से आए कुशल कलाकारों ने सॉदर प्रांगण और प्रभु प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार किया है। इंदौर के साथ धार, खंडवा, खरगोन, राजगढ़ और झाबुआ सहित मालवांचल के विभिन्न क्षेत्रों से समाजजन दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित अनेक गणमान्यजन भी प्रभु पार्श्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। प्रतिदिन शाम भक्ति संस्था एवं दीपोत्सव हो रहा है। शनिवार शाम विशेष दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा।आयोजन व्यवस्था में धनराज संधी, अशोक कपाड़िया, राजेंद्र सुराणा, आनंदीलाल अंबोर, सौरभ नाना सेठ, स्नेहल शाह, सागरसप्त नागोरी एवं शरद कोठारी सहित समाजजन सहयोग कर रहे हैं।

स्वेच्छा से यहीं विराजे गजानन और नाम प्रचलित हो गया गणपति चौक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन एवं ऐतिहासिक धार्मिक नगरी दशपुर (मंदसौर) की पहचान देश की एक मात्र अद्वितीय भव्य श्री द्विमुखी भगवान गणेशजी की प्रतिमा के कारण भी है। गणपति चौक जनकपुरा स्थित यह दुर्लभ प्रतिमा पाषाणयुगीन है, सात फिट ऊँची गणपति की खड़ी मुद्रा वाली इस अप्रतिम नयनाभिराम प्रतिमा का स्वरुप अत्यंत ही सुंदर व कलात्मक है। प्रतिमा का आगे का भाग पंचसुण्डी रूप में और पीछे का स्वरुप श्रेष्ठी (सेठ) की मुद्रा को प्रदर्शित करता है। मस्तक पर सेठ के समान अलग-अलग हैं। इस अनोखी प्रतिमा के दर्शन के लिये दूर दूर से अनेकों दर्शनार्थी आते हैं। श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति के नाम से विख्यात इस प्रतिमा का ज्ञात इतिहास लगभग 100 से अधिक वर्ष पुराना है। हलांकि प्रतिमा का प्रस्तर आभा मंडल प्राचीन शिल्प का उत्कृष्ट व सर्वोत्कृष्ट स्वरुप प्रदर्शित करता है,



बैलगाड़ी में विराजित कर आगे बढ़ाया। तत्कालीन समय के साक्षी व्यक्तियों के कथनानुसार द्विमुखी गणेशजी की इस प्रतिमा को नरसिंहपुरा क्षेत्र में किसी उचित स्थान पर प्रतिष्ठापित करने हेतु बैलगाड़ी से ले जाया जा रहा था। चूँकि उस समय नरसिंहपुरा जाने के लिये जनकपुरा से मदारपुरा होकर जाना सुगम मार्ग था इसलिये बैलगाड़ी को जनकपुरा से ले जाने का निश्चय किया गया छ

कोशिश के बाद भी बैलगाड़ी एक इंच भी आगे नहीं बढ़ी। भगवान गणेशजीकी इच्छा को सर्वोपरि मानकर धर्मालुजनों द्वारा इसी स्थान पर दूसरे दिन यानि एकादशी को प्रतिमा की विधिपूर्वक स्थापना की गई तब से यह स्थान गणपति चौक के नाम से जाना जाता है। इस द्विमुखी प्रतिमा के दोनों ओर के मुख अलग-था। चूँकि उस समय नरसिंहपुरा जाने के लिये जनकपुरा से मदारपुरा होकर जाना सुगम मार्ग था इसलिये बैलगाड़ी को जनकपुरा से ले जाने का निश्चय किया गया था जो अब गणपति चौक के नाम से प्रचलन में आ गया है। इसी मंदिर के कारण यह नाम प्रचलित हो गया। चूँकि प्रतिमा को नरसिंहपुरा ले जाने का निश्चय किया गया था इसलिये बैलगाड़ी को आगे बढ़ाने का खूब प्रयास किया लेकिन लाख

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1538 प्रकरणों का हुआ निराकरण



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आयोजित नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से 1538 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें न्यायालय में लंबित 357 प्रकरण तथा 1181 प्रीलिटिगेशन प्रकरण शामिल हैं। लोक अदालत के माध्यम से 1895 पक्षकार लाभान्वित हुए।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वीरेन्द्र सिंह राजपूत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद जिले में गठित 21 खंडपीठों में लोक अदालत की कार्यवाही प्रारंभ हुई, जो शाम 5:30 बजे तक चली।

न्यायालय में लंबित 478 प्रकरण लोक अदालत में रखे गए, जिनमें से 357 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें मोटरवाया दुर्घटना के 11 प्रकरणों में 42 लाख 45 हजार रुपये, चेक अनाकरण के 125 प्रकरणों में 2 करोड़ 57 लाख 20 हजार 940 रुपये तथा शमनीय आपराधिक प्रकरणों में 12 लाख 11 हजार 12 रुपये के अवार्ड पारित किए गए। इसके साथ ही 39 सिविल, 26 विद्युत अधिनियम एवं 26 पारिवारिक विवादों सहित अन्य प्रकरणों का भी निराकरण हुआ।

इसी प्रकार 4119 प्रीलिटिगेशन प्रकरण लोक अदालत में रेफर किए गए थे, जिनमें से 1181 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 24 लाख 27 हजार 668 रुपये की वसूली हुई।

भानपुरा पुलिस को मिली सफलता, 6 किलो अफीम के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार



मीना के निर्देश, एएसपी रामसेही मिश्रा और एसडीओपी विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 12 सितंबर को थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विनय बुंदेला को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुशाखेड़ी माताजी मंदिर बायपास तिराहे पर दो लोग अवैध मादक पदार्थ लेकर खड़े हैं। सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस ने मौके से सत्यनारायण पिता मांगीलाल मीणा (42) और उसकी पत्नी राधाबाई (38) निवासी भदना थाना रामपुरा जिला नीमच को पकड़। तलाशी में उनके कब्जे से 6 किलो 82 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी विनय बुंदेला व उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस लिहाज से प्रतिमा का इतिहास अर्वाचीन भी हो सकता है। प्रतिमा का प्राकट्य स्थल नाहर सय्यद दरगाह की पहाड़ी पर स्थित तलाई है। स्थानीय निवासी मूलचंद स्वर्णकार को स्वप्न में इस स्थान पर प्रतिमा के होने का आभास हुआ, यह कोई किवंदती नहीं वरन् स्पष्ट तथ्य है। स्वप्न की पुष्टि के लिये मूलचंद स्वर्णकार ने जब उस स्थान पर जाकर देखा तो पत्थरों में दबी यह स्वप्न दृष्टा प्रतिमा सामने प्रत्यक्ष दिखाई दी । मूलचंद स्वर्णकार को सर्वत 1986 आषाढ़ सुदी पंचमी दिनांक 22 जून 1929 को प्रतिमा को प्रतिष्ठापित करने का प्रेरणात्मक आदेश प्राप्त हुआ। उन्होंने आषाढ़ सुदी 10 विक्रम संवत 1986 को शास्त्रीय विधि विधान के साथ इस अद्वितीय प्रतिमा को पत्थरों के बीच से निकालकर धुमधाम से

बाबा रामदेव जन्मोत्सव पर बघाना में निकला भव्य चल समारोह, जयकारों से गुंजा नगर



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के उपनगर बघाना में बाबा रामदेव के जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार को रेगर समाज बघाना की ओर से भव्य चल समारोह निकाला गया। बाबा रामदेव मंदिर एवं धनेरिया रोड स्थित रेगर मोहल्ले से शुरू हुआ चल समारोह विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचा। यहां आरती और प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

चल समारोह में समाजजन बड़ी संख्या में श्रद्धा और उत्साह के साथ शामिल हुए। भक्ति गीतों और धार्मिक भजनों पर समाजजन झुमेते नजर आए, वहीं बाबा रामदेव के जयकारों से पूरा नगर गुंज उठा। शोभायात्रा

रेगर मोहल्ला, नई रेगर कॉलोनी, अहौर मोहल्ला, बघाना बाजार, फतेह चौक, गांधी चौराहा और स्टेशन रोड सहित विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान जगह-जगह नागरिकों और श्रद्धालुओं ने धार्मिक उत्साह के साथ चल समारोह का स्वागत किया।

एकादशी पर हुआ जागरण और भजन संध्या- बाबा रामदेव जन्मोत्सव से पूर्व एकादशी के अवसर पर बाबा रामदेव मंदिर में रात्रि जागरण एवं राजस्थानी भजन

संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में श्रद्धालु देर रात तक भजनों का आनंद लेते रहे और बाबा रामदेव की भक्ति में लीन नजर आए।

वहीं, जन्मोत्सव से एक दिन पूर्व शहर में वाहन रैली भी निकाली गई थी। वाहन रैली का विभिन्न स्थानों पर नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया।

समाज के रमेश कटारिया एवं नन्दराम आर्य ने बताया कि बाबा रामदेव जन्मोत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसमें समाजजन उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और बाबा रामदेव के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

इथेनाल फैक्ट्री में युवक की सदिग्ध मौत, शव रखकर हाईवे जाम

परिजन बोले- मौत की हो निष्पक्ष जांच, एक सदस्य को नौकरी व एक करोड़ मुआवजा देने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जौरन क्षेत्र के ग्राम चन्दू स्थित इथेनाल फैक्ट्री में चंगेरी निवासी 24 वर्षीय युवक की सदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद रविवार को ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। मौत के कारणों की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शव को चंगेरी फांटे पर महु-नीमच हाईवे पर रखकर धरना दे दिया। करीब दो घंटे तक चले जाम के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी 5-5 किमी की कतार लग गई। समाचार भेजे जाने तक कोई हल नहीं निकला।

जानकारी के अनुसार चंगेरी निवासी मनीष (24) पिता गणपत धमधार, चन्दू स्थित कृपा बायोटेक इथेनाल फैक्ट्री में करीब पांच माह से कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। रविवार सुबह उसका भाई कहैयालाल



रोजाना की तरह फैक्ट्री में टिफिन देने पहुंचा। वहां मनीष के नहीं मिलने पर जानकारी ली तो बताया गया कि तबीयत बिगड़ने के कारण उसे नीमच जिला अस्पताल ले जाया गया है। परिजन अस्पताल पहुंचे तो मनीष की मौत हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार उन्हें बताया गया कि मनीष की मौत करंट लगने से हुई है। हालांकि घटना की परिस्थितियों को लेकर

परिजनों ने सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अस्पताल में फैक्ट्री प्रबंधन का कोई जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं था। कुछ समय बाद फैक्ट्री पर ताला लगा दिया गया। इससे परिजनों में आक्रोश बढ़ गया और उन्होंने मौत की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। शव गांव पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन एकत्रित हो गए। शाम करीब 4.30 बजे ग्रामीण शव लेकर चंगेरी फांटे पहुंचे और महु-नीमच मार्ग पर शव रखकर धरना शुरू कर दिया। किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द, मोगिया समाज प्रदेश उपाध्यक्ष भगतराम डाबी, काग्रिस नेता अनिल शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग धरने में शामिल हुए। जाम की सूचना मिलने पर

एसडीओपी पिंटू बघेल, तहसीलदार पंकज जाट सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक परिवार के एक सदस्य को नौकरी, एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता तथा मनीष की मौत की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन नहीं मिलता, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक शाम 6.30 बजे तक ग्रामीणों का धरना जारी था और मांगों पर सहमति नहीं बन पाई थी।

दो साल पहले हुई थी शादी, पत्नी सात माह की गर्भवती- मनीष के परिवार में माता-पिता, एक भाई और दो बहनें हैं। परिवार कृषि एवं मजदूरी पर निर्भर है। मनीष की शादी करीब दो वर्ष पूर्व हुई थी। उसकी पत्नी सात माह की गर्भवती है। युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा सेवा से संकल्प अभियान सवा लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगा दतिया सभी अधिकारी दिए गए दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ निभाएं - कलेक्टर

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखे ने 17 सितंबर से प्रारंभ हो रहे 'सेवा से संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा जिला स्तर पर कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए विभागवार दायित्व सौंपे गए। बैठक में दतिया विधायक श्री घनश्याम सिंह, करैरा विधायक श्री रमेश खटीक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री वानखे ने जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपने स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों एवं गतिविधियों की रूपरेखा प्रशासन को उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया। 17 सितंबर को सवा लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगा दतिया कलेक्टर श्रीवानखड़े ने बताया कि 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के अंतर्गत 17



सितंबर को शाम 7 बजे जिले में सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा। जिले में सवा लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके लिए किला चौक, करन सागर सहित जिले के विभिन्न मंदिरों एवं अन्य प्रमुख स्थलों को निश्चित किया गया है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने विभाग के अंतर्गत अपने वाले शासकीय संस्थानों एवं कार्यालयों में भी दीप प्रज्वलन कराया जाए। प्रत्येक विभाग अपने कार्यालय में कम से कम 50 दीप अवश्य प्रज्वलित करें। कार्यक्रम के लिए जिले में 10 आइकॉनिक लोकेशन भी तैयार की जाएंगी। रक्तदान शिविर से लेकर चित्रकला एवं भाषण

प्रतियोगिताओं तक होंगे आयोजन कलेक्टर ने सीएएचओ को निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएं। 19 से 26 सितंबर तक 'मेरे सपना का भारत' अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें शासकीय एवं निजी स्कूलों तथा कॉलेजों के विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। 'नमो सेवा अभियान' के अंतर्गत जिले में 10 नुक्रड़ नाटक दल तैयार किए जाएंगे। इनके माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता एवं हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव की अनकही कहानियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। ये आयोजन 19 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होंगे। 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित होगा। इसके अंतर्गत बच्चों एवं माताओं के लिए पौष्टिक स्वल्पाहार, खेल सामग्री एवं पठन सामग्री सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 'सेवा की कहानी' कार्यक्रम 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा।

के कार्यदिवस लगातार कम होते जाएंगे, जिसका सीधा प्रभाव कृषि उपज की आवक, किसानों के व्यापार, भुगतान व्यवस्था तथा संपूर्ण मंडी व्यवसाय पर पड़ता है। इसी विषय को गंभीरता से देखते हुए

पूर्व में ही दशपुर मंडी व्यापारी संघ की बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि शासन द्वारा स्वीकृत एवं निर्धारित अवकाश के अतिरिक्त किसी भी व्यक्तिगत, सामाजिक अथवा धार्मिक आधार पर अतिरिक्त मंडी अवकाश की मांग या अनुशंसा संघ द्वारा नहीं की जाएगी तथा मंडी को यथासंभव नियमित रूप से संचालित रखा जाएगा। अध्यक्ष मनोज जैन ने कहा कि संवत्सरी पर्व जैन समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं श्रद्धा का पर्व है और संघ इसका पूर्ण सम्मान करता है। परंतु संघ की नीति सभी धर्मों एवं समाजों के लिए समान एवं निष्पक्ष रखने का निर्णय लिया गया है। इसी नीति के अनुरूप इस

वर्ष संवत्सरी पर्व पर भी मंडी का संचालन सामान्य रूप से जारी रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नीमच, जावरा एवं रतलाम सहित आसपास की कुछ मंडियों में इस अवसर पर अवकाश रखा गया है, किंतु प्रत्येक मंडी की अपनी स्थानीय परिस्थितियां एवं पूर्व निर्धारित व्यवस्थाएं होती हैं। मंदसौर मंडी के संबंध में व्यापारी संघ ने मंडी के दीर्घकालीन हित को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया है। जैन ने कहा कि धार्मिक आस्था और पर्वों का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन मंडी जैसी महत्वपूर्ण व्यापारिक व्यवस्था को अनावश्यक एवं बार-बार होने वाले अवकाशों से प्रभावित करना किसानों, व्यापारियों और मंडी से जुड़े हजारों लोगों के हित में नहीं है। हमारा प्रयास है कि शासन द्वारा निर्धारित अवकाशों का पालन करते हुए मंडी अधिक से अधिक कार्यदिवसों में सुचारु रूप से संचालित हो, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर अवसर मिलें और व्यापारिक गतिविधियां निरंतर बनी रहें। दशपुर मंडी व्यापारी संघ सभी समाजों एवं धर्मों के पर्वों का सम्मान करता है और भविष्य में भी समानता, आपसी सद्भाव, व्यापारी हित एवं मंडी के व्यापक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने निर्णय लेता रहेगा।

मंदसौर के बेसबॉल खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, उज्जैन संभाग को दिलाया रजत पदक



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छतरपुर में आयोजित 70वां राज्य स्तरीय अंडर-14 बेसबॉल प्रतियोगिता 2026 में मंदसौर जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्जैन संभाग की टीम को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मंदसौर के रुद्र खत्री (कप्तान), रणवीर धारू (उपकप्तान), वंश बडसोलिया, गोरंश बैरागी, विराट भाटी, अश्विन एवं रणवीर सिंह ने उज्जैन संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व किया और पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। कप्तान रुद्र खत्री ने उत्कृष्ट नेतृत्व एवं शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ पिचर का पुरस्कार भी हासिल किया। वहीं उपकप्तान रणवीर धारू सहित सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन टीम भावना और खेल कौशल का परिचय देते हुए टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

उज्जैन संभाग की टीम के साथ लोक शिक्षण संचालनालय के रेफरी ओमप्रकाश सूर्यवंशी एवं दीपक विश्वकर्मा, दल प्रबंधक महेंद्र शुक्ला एवं टीम मैनेजर महेश रेड्ठा तथा कोच रोशन पठान, विपिन राव, सुशी ललितला माली एवं सुशी पूजा धाकड़ का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर जिला बेसबॉल अध्यक्ष हिमंत डांगी, विजेंद्र देवड़ा (खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मंदसौर), जिला बेसबॉल संरक्षक रिष्मी चावला व गौरव अग्रवाल, जिला बेसबॉल सचिव ओमप्रकाश सूर्यवंशी, जिला बेसबॉल कोषाध्यक्ष विमल कुमार मच्छीरक्षक, जिला बेसबॉल सदस्य नवीन खोकर, राजू कुमार (खेल अधिकारी), अब्दुल रजाक (खेल अधिकारी), मनोहर धारू (मिनी गोल्फ एवं सॉफ्टबॉल सचिव), अविनाश उपाध्याय (जिला हॉकी सचिव), दिनेश यादव (खेल शिक्षक), देवेन्द्र बैरागी (क्रिकेट कोच) रवि कोपरगांकर (हॉकी कोच) व इरफान हुसैन सीनियर खिलाड़ी आकाश गजवा, आदिल मंसूरी, पंकज लक्ष्कार, आकाश रैकवार, अजय प्रजापत, हरिश बगड़ी, कुणाल प्रजापत, महेंद्र बगड़ी, सोनू टीपन, लक्की गौड़, गौरव चौहान, आरती चंद्रावत, किरणबाला, कशिश धारू, एवं समस्त खिलाड़ियों ने सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि मंदसौर को अपने इन प्रतिभावान खिलाड़ियों पर गर्व है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यावाही

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डीईओ आबकारी विभाग श्री विकास मंडलोई ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध सैलाना के ग्रामीण क्षेत्र सरवन, आम्बापाड़ा, बेड़दा, बल्लिखेड़ा में दबिश एवं तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 30 पाव देशी मदिरा प्लेन, 15 केन बीयर, 30 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा तथा 1200 कि.ग्रा. महुआ लाहान जप्त की गई। जिसमें आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क के तहत कुल 05 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

सम्पादकीय

हिंदी भाषा पर अवलंबित वैश्विक अर्थतंत्र

डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। और यही तथ्य हिंदी भाषा के गौरव को अत्यंत विशाल तथा विराट बनाती है। हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति सनातन तथा संस्कारों की सारागर्भित भाषा है। हिंदी भाषा भारत में ही 141 करोड़ लोगों की भाषा बन चुकी है। देश के लिए जनसंख्या जरूर समस्या के रूप में देखी जा सकती है पर अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए यह एक बड़े बाजार का खजाना ही साबित हो रही है । भारत अब एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता बाजार बन चुका है और और भारतीय उत्पाद को बेचने के लिए हिंदी भाषा एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। भारत में न जाने कितनी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्थाएं अपने उत्पाद बेचने के लिए आतुर रहती हैं और यही एक बड़ा कारण है कि उन्हें अपने विज्ञापन तथा माल बेचने के लिए भारतीय उपभोक्ताओं को आकर्षित करने हिंदी में विज्ञापन में बेची जाने वाली वस्तुओं की समस्त जानकारी रखनी होती है ।यह उनकी व्यावसायिक मजबूरी ही है कि भारत तथा विदेशों में रहने वाले तमाम हिंदुस्तानियों के लिए हिंदी भाषा के माध्यम से प्रचार प्रसार तथा विज्ञापन करती रहें तब जाकर उनका निर्मित उत्पाद विक्रय के लिए बाजार में आ सकेगा। वर्तमान में हिंदी को वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद से जोड़ा गया है। और बीच-बीच में हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिंग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज़ चैनल में न्यूज़ एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिंग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 141 करोड़ उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी प्लेट्सएप,फेसबुक,टिवर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 141 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यू जिलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर,प्लेट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नैटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है। वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निर्माताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है। हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है।

श्री गणेश की शक्तियों को आत्मसात करने का पर्व है, गणेश चतुर्थी



वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटिसमप्रभ, निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा।।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हम गणेश उत्सव मनाते जा रहे हैं। प्रतिवर्ष हम गणेश उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। श्री गणेश जी विद्या का देवता या आद्यदेव भी कहा जाता है। किसी भी कार्य को करने से पहले हम श्री गणेश की पूजा करते हैं।

स्वातंत्र्यपूर्व काल में संपूर्ण भारतीय समाज को अंग्रेजों के खिलाफ जागृत करने के लिये राष्ट्रभक्त लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव मनाने का फैसला लिया और संपूर्ण समाज को जागृत कर अपने भारत देश की स्वतंत्रता की राह प्रशास की।

प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग एक शास्त्रीय, नैसर्गिक और अनुभूति जन्म ध्यान? पद्धति है। जिसके द्वारा हम हमारे अंत - स्थित श्री गणेश को जानते हैं। हमारा ये सुंदर शरीर ही भगवान का मंदिर है और इस मंदिर में सभी देवी-देवता विराजमान हैं। सहजयोग दो शब्दों से मिलकर बना है, सहज जिसका अर्थ है सह और ज अर्थात् आपके साथ जमा हुआ और योग, शब्द का अर्थ है जोड़ना, मेल करना । योग शब्द का अर्थ है चित्त वृत्ति का निरोध अर्थात् निर्विचार अवस्था या ध्यान का अनुभव लेना। हम कहते हैं कि, सहज योग ध्यान एक पद्धति है। इसे हम शास्त्र के माध्यम से जान सकते हैं ।जब गणपति अथर्वशर्ष में अथर्व ऋषि, भगवान गणेश की आराधना करते हुए कहते हैं कि, त्वं मूलाधार स्थितोसि नित्यम आध देवता थी गणेश हमारे सूक्ष्मशरीर में सुषुम्ना नाड़ी पर स्थित प्रथम चक्र मूलाधार में स्थित हैं । सहजयोग में अतिरसाक्षात्कार प्राप्ति के पश्चात् जब हम, हमारे प्रथम चक्र मूलाधार पर चितस्थिर कर ध्यान और प्रार्थना करते हैं कि क, गणेश हमें पावनता, अबोधिता, सदसद् विवेक और मंगलमयता हमें प्रदान कीजिये। हमें हमारे आद्यदेव शिव और शक्ति के प्रति संपूर्ण श्रद्धा और समर्पण दीजिये, हमें ऐसा व्यक्तित्व प्रदान कीजिये कि हम आपको खुश और प्रसन्न कर सकें। तो भगवान श्रीगणेश की कृपा से हमारी भी स्वस्वर्गीय कुंडलिनी शक्ति अर्धभागी होकर शरीलत चैतन्य लहरियों से हमें आशीर्वादि्त करती हैं। धीरे-धीरे हम ध्यान में परिपक्व होते जाते हैं और हम श्रीगणेश की कृपा से स्थिर, एकाग्र वर्तमान का आनंद लेने वाले, प्रसन्न चित्त, आकर्षक और सतोगुणी बन जाते हैं। इस गणेश चतुर्थी को श्री गणेश का लाल जासवंदी के फूल व ही-हरी दुर्वा व मोदक से पूजन के साथ सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार को पक्का करते हैं तथा हृदय से जानते हैं अपने अंदर स्थित थी गणेश को।

हर वर्ष गणेशजी का आगमन केवल उत्सव नहीं, स्वयं से मिलने का अवसर भी होता है। गणेश चुतुर्थी आस्था, आनंद और सामूहिकता का ऐसा पर्व है, जिसका अर्थ हर बार नई दृष्टि से खुलता है। गणेशजी का स्वरूप ही जीवन का गहरा दर्शन समेटे है-हाथी का मस्तक, मानव देह, एकदंत, विशाल उदर और साथ में मूषक। यह विलक्षण रूप बताता है कि जीवन की सुंदरता एकरूपता में नहीं, विविधताओं को सम्मानपूर्वक स्वीकारने में है। जब मनुष्य स्वयं को पूर्ण और सफल दिखाने की दौड़ में रहता है, तब गणेश चुतुर्थी याद दिलाती है कि अधूरापन जीवन की स्वाभाविक सच्चाई है, कमी नहीं। अपनी कमियों को स्वीकारकर उन्हें आत्मविकास की शक्ति बनाना ही वास्तविक सामर्थ्य है। मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा इसी भाव को साकार करती है।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अपने भीतर जीवन का सूक्ष्म संदेश समेटे हैं। चंचलता और निरंतर सक्रियता का प्रतीक मूषक आज के मनुष्य की भागती इच्छाओं का भी प्रतिबिम्ब है। डिजिटल संसार ने जानकारी, संपर्क और अवसर बढ़ाए हैं, तो लाइक्स, प्रशंसा, प्रसिद्धि और त्वरित संतुष्टि की चाह भी बढ़ी है। यही चाह कई बार मनुष्य को स्वयं से दूर कर देती है। गणेशजी के चरणों में बैठा मूषक याद दिलाता है कि इच्छाएं स्वाभाविक हैं, पर उनका संयम आवश्यक है। छोटी इच्छाओं और आकर्षणों पर विवेक का नियंत्रण ही मन को स्थिर रखता है। जीवन की सच्ची उपलब्धि अधिक पाने में नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें संतोष, संयम और संतुलन खोजने में है।

शहरों की बिगड़ती सूरत

पिछले दिनों दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पेड़ें गेस्ट यानी पीजी के रूप में चलाई जा रही एक बिल्डिंग गिरने से सात छात्रों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इन हादसे के बाद पीजी के रूप में रहने वाले छात्रों पर मुसीबत आ गई, क्योंकि अनेक इमारतों को जर्जर पाकर खाली कर लिया गया।

इसके चलते अनेक छात्र इधर-उधर भटकने के लिए मजबूर हो गए। इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि छात्रों को रह-रहकर समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। इन दिनों दिल्ली में हास्टल के अभाव में पीजी के रूप में रहने वाले तमाम छात्र संकट में हैं। वैसे तो देश में बरसात के दिनों में खबर न कहीं से भवनों के गिरने की कहें बात आती ही रहती है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी खबरें राजधानी दिल्ली से भी रह-रहकर आती रहती है।

जब अपेक्षा यह है कि कम से कम देश की राजधानी में शहरी विकास संबंधी हर तरह के नियम-कानूनों का सही से पालन हो, तब सच्चाई इसके विपरीत दिखती है। शहरी विकास के मामलों में जो हाल दिल्ली का है, वही देश के अन्य शहरों का भी। यह चिंताजनक है कि बेहतर शहरी विकास के मामले में दिल्ली कोई उदाहरण नहीं पेश कर पा रही है। मोदी सरकार के बाद से देश के शहरों में तेजी से जो परिवर्तन देखने को मिला, वह सबसे अधिक दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिला। दिल्ली-एनसीआर की आबादी पूरे देश की चार-पांच प्रतिशत ही होगी, लेकिन यहां भी विकास के काम सही ढंग से नहीं हो रहे हैं। इस विसंगति को देश के साथ-साथ दुनिया भी देख रही है, क्योंकि यहां पर अंतरराष्ट्रीय आयोजन होते ही रहते हैं।

तमाम विकास के बावजूद दिल्ली-एनसीआर की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली में इसके पहले भी इमारतें गिरती रही हैं और हर बार यह आश्वासन मिला है कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। इसका एक बड़ा कारण दिल्ली की स्थानीय राजनीति है और नगर निगम का अक्षम होना है। यहां के औसत नेता वोट बैंक के लालच में शहरी विकास की अच्छी-बुरी योजनाओं को पटरी से उतार देते हैं। अवैध बस्तियों का नियमितीकरण इसका एक उदाहरण है।

साफ है कि हमारे नीति नियंताओं को इसकी परवाह नहीं कि शहरी विकास के नियम-कानूनों का सही तरह अनुपालन हो। इसका दुष्परिणाम यह है कि दिल्ली एक अंतरराष्ट्रीय शहर की तरह विकसित नहीं हो पा रही है। ध्यान रहे किसी देश की राजधानी उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि के निर्माण में सहायक होती है। समस्या यह है कि हमारी वित्तीय राजधानी मुंबई की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं।

दिल्ली में इमारत गिरने के बाद नगर निगम के कुछ अफसरों को निर्लंबित करने के साथ और भी कदम उठाए गए, लेकिन इसकी गारंटी नहीं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। चूंकि सत्य निकेतन इलाके की इमारत गिरने से छात्रों की जान गई, इसलिए इस घटना का राजनीतीकरण हो रहा है। ऐसा इसलिए और भी हो रहा है, क्योंकि इस समय छात्र राजनीति के केंद्र में हैं।

—**धनंजय राजौरा**

मिट्टी से गणेश प्रतिमा का बनना और फिर उसी मिट्टी में विलीन हो जाना जीवन की क्षणभंगुरता और प्रकृति से हमारे अटूट संबंध का मार्मिक संदेश है। मिट्टी प्रकृति से आती है, आकार पाती है, श्रद्धा का केंद्र बनती है और अंततः प्रकृति में लौट जाती है। यही चक्र सिखाता है—परिवर्तन ही जीवन का शाश्वत सत्य है। फिर भी मनुष्य धन, वस्तुओं, प्रतिष्ठा और उपलब्धियों को स्थायी मानकर उनसे मोह बांध लेता है। गणेश-विसर्जन केवल विदाई नहीं, आसक्ति छोड़ने की सहज आध्यात्मिक सीख भी है। साथ ही यह स्मरण कराता है कि प्रकृति से लिया हर संसाधन सम्मान, संवेदना और जिम्मेदारी की माँग करता है। प्रकृति का सम्मान ही हमारी जीवन्शीली का संस्कार बने।

गणेशजी का एकदंत स्वरूप जीवन का गहरा सत्य कहता है—पूर्णता हमेशा हमारी अपेक्षाओं जैसी नहीं होती। परिस्थितियाँ बदलती हैं, योजनाएँ अधूरी रह जाती हैं और उपलब्धि के लिए कई बार त्याग करना पड़ता है। हम असफलता और नुकसान को सहज नहीं मानते, पर एकदंत सिखाता है कि कोई कमी हमारी पूरी पहचान नहीं बन सकती। अनुभवों से सीखकर आगे बढ़ना ही शक्ति है। कला, विज्ञान और नवाचार भी प्रयोग, असफलता और अधूरे प्रयासों से आगे बढ़ते हैं। इसलिए हर अधूरा प्रयास अंत नहीं, अगले प्रयास की नींव है। जीवन की कमी को कमजोरी नहीं, आगे बढ़ने की प्रेरणा बनाना ही एकदंत का संदेश है।

गणेशोत्सव का सामूहिक स्वरूप भारतीय

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राह आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छे नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राब बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदार पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज

वैश्विक स्तर पर हिंदी के विरुद्ध षड्यंत्र या बाज़ार की रणनीति? कॉरपोरेट सेक्टर से हिंदी दरकिनार, हिंदुस्तानी हिंदी और उपभोक्तावाद

इक्कीसवीं सदी का विश्व मूलतः उपभोक्तावाद की धुरी पर घूम रहा है। उत्पादन, विपणन, संचार, मनोरंजन, तकनीक और संस्कृति—लगभग प्रत्येक क्षेत्र में बाजार की शक्ति निर्णायक होती जा रही है। ऐसे समय में भाषा केवल भावों और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि वह बाजार तक पहुंचने, उपभोक्ता का विश्वास जीतने और उत्पाद को उसकी संवेदना से जोड़ने का सबसे प्रभावी साधन बन गई है। भारत जैसे विशाल और बहुभाषी देश में यह प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि जिस भाषा को करोड़ों लोग बोलते, समझते और अपने दैनिक जीवन में व्यवहार करते हैं, वह आर्थिक, कॉरपोरेट और वैश्विक मंचों पर कितनी प्रतिष्ठा प्राप्त कर पा रही है। हिंदी के संदर्भ में यह प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक गंभीर है।

भारत की स्वतंत्रता को आठ दशक पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन हिंदी आज भी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं है। यहां एक संवैधानिक तथ्य को स्पष्ट करना आवश्यक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। वहीं अंग्रेजी को भी संघ के आधिकारिक कार्यों में निरंतर प्रयोग की संवैधानिक-वैधानिक व्यवस्था प्राप्त है। संविधान में कहीं भी हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित नहीं किया गया है। अनुच्छेद 351 संघ को यह दायित्व देता है कि वह हिंदी के प्रसार और विकास के लिए प्रयास करे तथा उसे भारत की समग्र संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाए। इसलिए हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं? का प्रश्न भावनात्मक होने के साथ-साथ संवैधानिक और ऐतिहासिक प्रश्न भी है।

विडंबना यह है कि जिस हिंदी को करोड़ों भारतीयों की संपर्क भाषा के रूप में व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त है, उसे सत्ता, उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और कॉरपोरेट प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में अभी भी अंग्रेजी की तुलना में कमतर समझा जाता है। यह स्थिति केवल सरकारी व्यवस्था की देन नहीं है। स्वतंत्रता के बाद अंग्रेजी प्रशासन, उच्च शिक्षा, न्याय, विज्ञान और व्यवसाय की महत्वपूर्ण भाषा बनी रही। धीरे-धीरे अंग्रेजी केवल भाषा नहीं

सामाजिक जीवन की बड़ी ताकत सामने लाता है। पंडालों में अलग-अलग आयु, वर्ग और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं। सामूहिक आरती, दर्शन, प्रसाद और उत्सव दूरियों मिटाकर आत्मीयता बढ़ाते हैं। जब व्यस्त जीवन और डिजिटल माध्यमों ने प्रत्यक्ष संवाद सीमित कर दिया है, ऐसे अवसर सामाजिक जुड़ाव को नई ऊर्जा देते हैं। मोदक और प्रसाद बाँटना केवल परंपरा नहीं, खुशी साझा करने की सुंदर भावना है। गणेशोत्सव याद दिलाता है कि समाज केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, सहयोग, सम्मान और सहभागिता से समृद्ध होता है। साथ मनाया गया उत्सव यह एहसास जगाता है कि हम अकेले नहीं, एक बड़े सामाजिक परिवार का हिस्सा हैं। गणेशजी बुद्धि और विवेक के आराध्य हैं। उनका विशाल उदर जीवन के विविध अनुभवों को सहजता से स्वीकारने का प्रतीक है। ज्ञान केवल तर्क और जानकारी नहीं; उसमें अनुभव, कल्पना, संवेदना और परिस्थितियों को समझने की क्षमता भी शामिल है। आधुनिक जीवन में हर चीज को निश्चित और व्यवस्थित रखने की चाह कई बार नए विचारों की राह रोक देती है। सृजन के लिए प्रश्न, प्रयोग और अनिश्चितता को स्वीकारना भी जरूरी है। गणेशजी का स्वरूप संतुलित बुद्धि की प्रेरणा देता है—विवेक के साथ कल्पना, अनुशासन के साथ सहजता और ज्ञान के साथ संवेदनशीलता। यही संतुलन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की प्रगति की सच्ची आधारशिला है।

उत्सव के बाद का विसर्जन और उसके बाद पसरा

सम्राटा भी गहरा संदेश देता है। जहाँ कुछ दिन पहले उत्साह, संगीत, प्रकाश और सामूहिकता थी, वहीं अचानक खालीपन दिखाई देता है। यह खालीपन उदासी नहीं, ठहरकर स्वयं को देखने का अवसर है। हर उत्सव के बाद सामान्य दिन लौटते हैं और यही जीवन में संतुलन सिखाते हैं। प्रतिमा के विसर्जन के साथ हम अनावश्यक आसक्तियों, पुरानी आदतों और नकारात्मक भावनाओं को भी पीछे छोड़ने का संकल्प ले सकते हैं। खाली पंडाल याद दिलाता है कि हर अंत में नई शुरुआत छिपी है। कई बार शून्य ही नई रचना के लिए सबसे जरूरी जगह बनता है।

गणेश चतुर्थी केवल आस्था का पर्व नहीं, जीवन को समझने का अवसर है। गणेशजी का स्वरूप विविधताओं को स्वीकारना सिखाता है; एकदंत अपूर्णता में आगे बढ़ने, मूषक इच्छाओं पर संयम रखने, मिट्टी और विसर्जन प्रकृति, परिवर्तन व अनासक्तिको समझने, सामूहिक आरती आत्मीयता जगाने और विशाल उदर जीवन के हर अनुभव को स्वीकारने का संदेश देता है। विसर्जन के बाद का शून्य भी नई शुरुआत की जगह बनता है। यही इस पर्व का सार है—विघ्नों से मुक्ति की प्रार्थना के साथ विवेक, संतुलन, संवेदना और सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प। गणेशजी के चरणों में अपनी इच्छाओं के साथ अपनी अशु्री कहानियाँ रखना ही इस पर्व की सच्ची आत्मीयता है; क्योंकि पूर्णता कमी मिटाने में नहीं, उसे स्वीकारकर बेहतर बनने की निरंतर यात्रा में है।

—**प्रो. आरके जैन**

संकती है

उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना लक्ष्य होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राह के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो।

गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा।

गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है—ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुखधारा से अलग महसूस न करे।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है।

गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल छिड़ी नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन—यही विकसित भारत की आधारभूमि बन

सकती है।

गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए।

ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो।

गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो—यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों—अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता—पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय संधा और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

—**ललित गर्ग**

अनुकूलनशीलता का भी संकेत हो सकती है। विज्ञापन, सिनेमा, टेलीविजन, सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने हिंदी-अंग्रेजी मिश्रित अभिव्यक्ति को नई सामाजिक स्वीकृति दी है। शोध और मीडिया विश्लेषण में भी यह रेखांकित हुआ है कि हिंग्लिश ने विज्ञापन और लोकप्रिय संस्कृति में व्यापक स्थान बनाया है क्योंकि वह अलग-अलग सामाजिक और भाषायी समूहों तक एक साथ पहुंचने का प्रयास करती है।

हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मसाती प्रवृत्ति है। हिंदी ने संस्कृत से शब्द लिए, प्राकृत और अपभ्रंश को विकसित किया, फारसी और अरबी से शब्द ग्रहण किए, उर्दू से समृद्ध हुई और आधुनिक समय में अंग्रेजी से भी हजारों शब्द अपने व्यवहार में स्वीकार किए। किताब, दफ्तर, बाजार, सड़क, कुर्सी जैसे शब्दों को आज सामान्य हिंदी से अलग करके देखना कठिन है। उसी तरह मोबाइल, टैब, बैक, डॉक्टर, टिकट, इंटरनेट और वीडियो जैसे शब्द आज भारतीय भाषायी व्यवहार का हिस्सा बन चुके हैं। भाषा किसी संग्रहालय में रखी हुई वस्तु नहीं है; वह समाज के साथ सांस लेती है और बदलती है। मेरे निजी मित्र तथा पिछले लगभग 45 वर्षों से हिंदी भाषा के शोध और प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में कार्यरत डॉ. जे.पी. नैटियाल, महानिदेशक, हिंदी शोध संस्थान, देहरादून, हिंदी की वैश्विक स्थिति को लेकर लंबे समय से शोधपरक दृष्टि रखते हैं। उनके अनुसार हिंदी का भाषायी विस्तार अत्यंत व्यापक है और हिंदी को विश्व की सबसे बड़ी भाषायी शक्तियों में गिना जाना चाहिए। उनके द्वारा उद्धृत आंकड़ों में हिंदी/हिंदुस्तानी के वक्ताओं की संख्या अत्यंत बड़ी बताई जाती है। हालांकि विभिन्न वैश्विक भाषा-अध्ययनों में हिंदी, हिंदुस्तानी, मातृभाषा और दूसरी भाषा के वक्ताओं की गणना के तरीके अलग-अलग हैं, इसलिए 100 करोड़ से अधिक या 162 करोड़ जैसे आंकड़ों को सांख्यिकीय रूप से प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय संबंधित शोध-पद्धति के संदर्भ में देखना चाहिए। भारत की जनगणना 2011 में मातृभाषाओं का विस्तृत वर्गीकरण किया गया था और उसके आंकड़े भारत के जनगणना कार्यालय द्वारा प्रकाशित हैं।

—**संजीव गर्ग**

3,500 किलो महुआ लाहन और 89 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त, 8 प्रकरण दर्ज

भौरासा, हाटपिपल्या और चापड़ा क्षेत्र में आबकारी-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 3.60 लाख रुपए की अवैध सामग्री जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण और विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग का विशेष अभियान जारी है। रविवार को आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने भौरासा, हाटपिपल्या और चापड़ा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में महुआ लाहन और हाथभट्टी शराब जब्त की। हाटपिपल्या के बागरी मोहल्ले में एक मकान से 270 पाव देशी मदिरा और 24 नग बोल्ट बीयर बरामद हुईं। यहां कुल 60.6 बल्क लीटर मदिरा जब्त कर धारा 34(2) का प्रकरण दर्ज किया गया।

आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार कलेक्टर ऋतुग्राह सिंह के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया



के मार्गदर्शन में 13 सितंबर को यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों से करीब 3,500 किलोग्राम महुआ लाहन, 89 लीटर हाथभट्टी मदिरा, 270 पाव

देशी मदिरा और 24 नग बोल्ट बीयर बरामद की गईं। कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 के तहत धारा 34(1)(क) के 7 और धारा 34(2) का 1 प्रकरण, कुल 8 प्रकरण दर्ज किए गए। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 3 लाख 60 हजार रुपए बताया गया है।

कार्रवाई के दौरान आबकारी एवं पुलिस टीम ने अवैध मदिरा के निर्माण और भंडारण के संभावित ठिकानों पर दबिश दी। बड़ी मात्रा में बरामद महुआ लाहन से अवैध शराब निर्माण की गतिविधियों का भी खुलासा हुआ है।

कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनाशे, नीलेश पवार, भौरासा थाना प्रभारी अनिता सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, गोकुल प्रसाद मेघवाल, रोहित मुकांती, योगेंद्र ठाकुर, अरविंद सोलंकी, दीपक धुरिया, राजाराम रैकवार सहित आबकारी मुख्य आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, सुरेंद्र वर्षी, अरविंद जिनवाल, दीपक तटवाड़े, गोविंद बड़वाड़िया, आबकारी आरक्षक सनत ओझा, निहाल खत्री, निकिता परमार, सविता धाकड़ तथा नगर सैनिक किशोर सिसोदिया और अनिल चौहान शामिल रहे। भौरासा थाना पुलिस स्टाफ ने भी कार्रवाई में सहयोग किया।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और विक्रय के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

शाम के पहले ही हो गई रात, नगरवासियों के हिस्से आई रिमझीम फुहार



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरवासियों के हिस्से में रविवार को भी रिमझीम फुहारें ही आईं। जबकि दिन में आसमान पर छापे काले बादलों से घना अंधेरा छा गया। उम्मीद थी कि घनघोर वर्षा होगी लेकिन देर शाम तक रिमझीम फुहारें ही बरसती रही। जबकि जिले के अन्य क्षेत्रों में 2 से 3 इंच वर्षा दर्ज की गई।

जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर मकसी में रविवार को

करीब 3 इंच तेज बारिश हुई। दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुआ मूसलाधार बारिश का दौर लगभग 40 मिनट तक चला, जिससे पूरे शहर में पानी-पानी हो गया। तेज बारिश के कारण वहां की डायमंड कालोनी के पास फोरलेन की निर्माणधीन पुलिया से पानी का तेज बहाव शुरू हो गया। इसी दौरान गडौली का रहने वाला एक बाइक सवार युवक संतुलन बिगड़ने से बाइक सहित नीचे गिर गया और बहने लगा।

को भी आसमान पर काले घने बादल छापे हुए थे और शाम 4 बजे ही रात हो गई थी। उम्मीद थी कि अब झमाझम वर्षा होगी लेकिन करीब एक घंटे से अधिक समय तक रिमझीम वर्षा होती रही और नगरवासी आसमान ही ताकते रह गए। समाचार लिखे जाने तक भी रिमझीम वर्षा का दौर जारी था। जिससे सुबह से भीषण गर्मी का सामना कर रहे नगरवासियों ने राहत महसूस की।

14 व 15 सितम्बर को चिकन, मॉस, मछली, अण्डे व पशुवध गृह, दुकानें पूर्णतः बंद रहेंगीं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी एवं मंगलवार 15 सितम्बर को पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस के पावन अवसर पर निगम सीमा क्षेत्र में स्थित समस्त पशु वध गृह एवं चिकन, मॉस मटन एवं मछली विक्रय की दुकानें एवं समस्त प्रकार के नानवेज होटल पूर्णतः बंद रहेंगीं। गणेश चतुर्थी, पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस के पावन अवसर पर शासन निर्देशानुसार निगमायुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम स्वास्थ्य निरीक्षक हेन्दुसिंह ठाकुर को शहर के समस्त चिकन मटन, मछली,अण्डे विक्रय की दुकानें निगम सीमा क्षेत्र में पूर्णतः बंद रखने के सूचना पत्र दिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। आयुक्त के निर्देशों के पालन में स्वास्थ्य निरीक्षक श्री ठाकुर ने बताया कि सभी व्यवसायकों/ होटल, दुकानों के संचालकों को सूचना पत्र जारी किये गये है। सोमवार 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी एवं मंगलवार 15सितम्बर को पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस के पावन अवसर पर उक्त दुकानें/ होटलें खुली पाई जाती हैं तो मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 254 की उप धारा (1) में उल्लिखित नियमों के अनुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जावेगी।

ट्रेन की चपेट में आए बुजुर्ग की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के बेरछा थाना क्षेत्र में बेरछी गांव के पास शनिवार शाम को हुए एक हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग करण गुजराती की मौत हो गई। यह घटना बेरछा रेलवे स्टेशन के पास बेरछी रेलवे फाटक पर हुई। जानकारी के अनुसार करण गुजराती किसी काम से बाहर निकले थे। रेलवे फाटक पार करते समय वे अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें गंभीर हालत में शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने इलाज शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनो ने बताया कि करण गुजराती घर में अकेले रहते थे। सूचना मिलने पर परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने जरूरी कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराय़ा और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

जिले की 01 लाख 70 हजार 821 लाइली बहनों के खाते में पहुंची राशि



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा रविवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से शाजापुर जिले की 1 लाख 70 हजार 821 लाइली बहनों के बैंक खाते में 25 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि अंतरित की गयी। इस दौरान जिले में महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय जिपाटी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाइली बहना के राज स्तरीय कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण जिले की आंगनवाड़ी केंद्रों पर दिखाया गया। साथ ही जिले में 9 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 तक चल रहे 9 वे पोषण माह 2026 अंतर्गत थीम हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी एवं जिले के नवाचार घर में पकायेगे - घर का खायेगे पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमे स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों, खेल-खेल में सीखना, मां का पोषण बच्चे का स्वस्थ भविष्य के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास से पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं, सहायिका एवं बड़ी संख्या में लाइली बहने उपस्थित थीं।

बप्पा के स्वागत में सजा शहर, आज गाजे-बाजे के साथ मंगल करने आएंगे श्री गणेश, नगर में दिख रही बप्पा के आगमन की रौनक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विघ्नहर्ता श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि के साथ आरा सक्का मंगल करने आएंगे। जिनके स्वागत के लिए कहीं लड्डू बन रहे हैं तो कहीं उनके पांडालों को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। नगर में 100 से अधिक स्थानों पर पांडालों का निर्माण किया जा रहा है, जहां विशालकाय मूर्तियां स्थापित कर 10 दिनों तक उनके भक्त उनकी आराधना करेंगे।

बप्पा को सबसे ज्यादा प्रिय हैं मोदक और लड्डू। जिसकी तैयारियां भी नगर में दिखाई दे रही हैं। बप्पा के भोग लगाने के लिए नगर की दुकानों पर लड्डू तैयार किए जा रहे हैं। होटल व्यवसायी कौशल भावसार व मनीष भावसार ने बताया



कि गणेशोत्सव के लिए शुद्ध देशी घी के लड्डू तैयार किए जा रहे हैं जो लोगों को 250 से 500 रु. किलो में उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं बप्पा के प्रिय मोदक भी तैयार किए जा रहे हैं। इधर बप्पा के भक्त उनके आगमन की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं और अपनी पसंद की मूर्तियां

भी खरीद रहे हैं। रविवार को नगर में सजी दुकानों पर भी गणेश जी की प्रतिमाओं के लिए लोगों की खाली भीड़ रही। इस वर्ष नगरवासी मिट्टी की प्रतिमाओं में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं जो 500 से 4 हजार रु. तक की कीमत में उपलब्ध है। नगर में आज सुबह से शाम तक बप्पा के आगमन का उत्साह देखने को मिलेगा।

श्रृंगार सामग्रियों की दुकानों पर भी बड़ी भीड़-बप्पा के भक्त उनके आगमन और स्वागत में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। यही वजह है कि रविवार को नगर की सजावट व श्रृंगार सामग्रियों की दुकानों पर भी लोगों की खाली भीड़ रही। नगरवासियों ने पांडाल को आकर्षक बनाने के लिए लिंगी, फूल, मालाएं

व आकर्षक सीरीज की खरीदी की, जिनसे पांडाल सजाए जाएंगे। इसके अलावा पूजा की सामग्रियों पर भी लोगों की खाली भीड़ रही। बप्पा के स्वागत के लिए नगरवासी दिनभर बाजार में खरीदी करते नजर आए। धूमधाम से मंगल करने आएंगे विघ्नहर्ता गणेश- सोमवार को श्री गणेश चतुर्थी के लिए नगरवासियों ने मिठाई, पूजन और श्रृंगार सामग्री ही नहीं बल्कि उनके आगमन के लिए बेंड और ढोल की भी बुकिंग अभी से कर ली है। कई जगह पर तो लोग छीजे से बप्पा का स्वागत करेंगे। इस दिन नगर में चल समारोह निकाले जाएंगे और श्रद्धालू रंग गुलाल उड़ते हुए उत्साह के साथ बप्पा को लेने पहुंचेंगे।

विद्यालय संचालिका आशा जैन ने बताया कि गणेश चतुर्थी केवल भगवान श्री गणेश के आगमन का उत्सव नहीं, बल्कि यह आस्था, सुजनात्मकता, संस्कार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को समझने का अवसर भी है। इसी को देखते हुए यहां पढ़ने वाले बच्चों की माताओं के लिए गणेशजी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि जब एक मां अपने हाथों से गणेशजी की प्रतिमा बनाती है तो वह केवल एक आकृति नहीं बनाती वह उसमें अपनी श्रद्धा, प्रेम,



कल्पना और संस्कारों को आकार देती है और इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भी माताओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देना और बच्चों के मन में बचपन से ही यह संदेश पहुंचाना है कि हमारी परंपराएं और प्रकृति, दोनों हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। विसर्जन के बाद भी मिलेगा बप्पा का आशीर्वाद- विद्यालय प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन, सह संचालिका पूर्वी जैन व किड्स जॉन प्रभारी सुषमा नगर ने बताया कि इस बार ऐसी प्रतिमाओं की स्थापना की जाए जो पर्यावरण के अनुकूल हो,

प्रकृतिक एवं सुरक्षित सामग्री से बनी हो, हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा को दर्शाए और बच्चों को प्रकृति संरक्षण का सुंदर संदेश दे। जिसके चरिते गणेश प्रतिमाओं को बनाने के लिए मिट्टी के साथ प्राकृतिक रंग, औषधीय पौधों के बीज, पत्तियां, फूल, लकड़ी एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का रचनात्मक उपयोग किया गया है ताकि जब हम घर में बप्पा का विसर्जन करें तो उनके आशीर्वाद के रूप में हमें घर में उपयोगी हरियाली मिले।

उत्कृष्ट प्रतिमा बनाने वाली माताओं को किया सम्मानित- इस प्रतियोगिता में यूं तो माताओं ने एक से बढ़कर एक मिट्टी की प्रतिमाएं तैयार की जिनमें उनके भाव स्पष्ट नजर आ रहे थे। जिसमें से निर्णायक मंडल को बेहतर प्रतिमा चुनने में काफी मशकत करना पड़ी। अंत में सबसे उत्कृष्ट प्रतिमा का चयन कर उसे बनाने वाली माता को सहज पब्लिक स्कूल परिवार द्वारा सम्मानित किया गया।

देवास में पहली बार विशेष 'आधार जन समाधान शिविर' का आयोजन, 50 से अधिक नागरिकों की समस्या का किया समाधान

UIDAI के उपमहानिदेशक अग्रवाल ने किया अत्याधुनिक आधार केंद्र का शुभारम्भ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास में अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र का शुभारम्भ उपमहानिदेशक, UIDAI दिल्ली, अविनाश अग्रवाल ने किया।

आधार सेवाओं को नागरिकों तक अधिक सुगमता, सुविधा एवं दक्षता के साथ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा देवास में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए आधार सेवा केंद्र का संचालन आम जनता के लिए प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर उपमहानिदेशक, UIDAI दिल्ली, अविनाश अग्रवाल ने बताया कि UIDAI का यह नया आधार सेवा केंद्र सप्ताह के सातों दिन संचालित होगा। इससे कामकाजी लोगों, व्यवसायियों एवं अन्य नागरिकों को अपनी सुविधा के अनुसार आधार सेवाएं प्राप्त करने में सहूलियत होगी। केंद्र को नागरिकों के लिए अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक बनाने के लिए दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सेवा काउंटर उपलब्ध कराए गए हैं। नागरिकों की सुविधा के लिए केंद्र पर ऑनलाइन



अपॉइंटमेंट की व्यवस्था भी उपलब्ध है। नागरिक अपनी सुविधानुसार समय स्लॉट बुक कर निर्धारित समय पर केंद्र पहुंच सकते हैं और कम प्रतीक्षा समय में आधार संबंधी कार्य करा सकते हैं।

देवास जिले के नागरिकों की आधार संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 सितंबर 2026 को देवास में पहली बार विशेष «आधार जन समाधान शिविर» का भी आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों के लंबित आधार प्रकरणों, विभिन्न तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक समस्याओं तथा जटिल मामलों की

सुनवाई की गई। प्रत्येक प्रकरण में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक जांच, कार्रवाई एवं आगे की प्रक्रिया के संबंध में नागरिकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में UIDAI, भोपाल की विशेष टीम उपस्थित रही, जिसने नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुना और प्रकरण की प्रकृति के अनुसार आवश्यक जांच एवं कार्रवाई करते हुए उचित समाधान एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। शिविर में 50 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया।

UIDAI द्वारा देवास में आधार सेवा केंद्र एवं विशेष आधार जन समाधान शिविर की यह पहल नागरिकों को आधार सेवाएं अधिक सुगम, सुलभ एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने तथा आधार संबंधी जटिल एवं लंबित मामलों के समाधान में महत्वपूर्ण कदम है। देवास जिले के नागरिक अब आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं के लिए 11-बी, नूतन नगर, वार्ड नंबर 32, जॉन नंबर 1, स्टेशन रोड, लायंस होटल के पास, बीएनपी रोड, देवास डू 455001 स्थित UIDAI के नवीन आधार सेवा केंद्र पर सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

ढोल-नगाड़ों के साथ घर लौटे 30 दंपती, लोक अदालत ने बचाए टूटते रिश्ते

देवास में नेशनल लोक अदालत का असर- 1521 लंबित और 219 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण, 5.25 करोड़ रुपए से अधिक के अवाई पारित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यायालयों में वर्षों से लंबित विवादों के बीच शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत ने कई परिवारों के लिए नई शुरुआत का रास्ता खोल दिया। देवास परिवार न्यायालय में आपसी समझाइश और सहमति से 30 दंपतियों के पारिवारिक विवादों का समाधान हुआ। विवाद खत्म होने के बाद जब ये दंपती ढोल-नगाड़ों के साथ न्यायालय परिसर से अपने घरों के लिए रवाना हुए तो माहौल भावुक और उल्लासपूर्ण हो गया। लोक अदालत का यह दृश्य इस संदेश को साकार करता नजर आया कि विवाद का अंत केवल मुकदमे का खत्म होना नहीं, बल्कि रिश्तों की फिर से शुरुआत भी हो सकती है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष कपिल मेहता के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिले के सभी न्यायालयों में किया गया। जिला मुख्यालय देवास सहित सोनकच्छ, कन्नौद, खातेगांव, टोकखुर्द और बागली में 35 न्यायिक खंडपीठों के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई हुई।

एक बैचक में 93 पारिवारिक मामलों का



निराकरण- परिवार न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह कुशवाह ने एकल बैचक में 93 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया। इनमें 30 दंपतियों के बीच चल रहे पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति और समझाइश के माध्यम से समाप्त कराय़ा गया। पक्षकारों की भावनाओं, पारिवारिक परिस्थितियों और आपसी संबंधों को ध्यान में रखते हुए समाधान का प्रयास किया गया। समझौते के बाद दंपतियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी और वे ढोल-नगाड़ों के साथ अपने घर लौटे।

1521 लंबित मामलों का हुआ निपटारा- नेशनल लोक अदालत में कुल 1521 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें 614 आपराधिक, 46 मोटर दुर्घटना दावा, 210 चेक बाउंड्स, 51 पारिवारिक, 201 विद्युत, 11

श्रम, 175 यातायात चालान, 184 विविध, 27 सिविल और एक बैंक रिकवरी का प्रकरण शामिल रहा।

इन मामलों में 5 करोड़ 25 लाख 52 हजार 163 रुपए के अवाई पारित किए गए। इनमें 5 करोड़ 24 लाख 4 हजार 107 रुपए के अवाई आपसी समझौते के आधार पर हुए।

210 चेक बाउंड्स मामले सुलझे-लोक अदालत में नेगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट एक्ट के तहत चेक बाउंड्स के 210 प्रकरणों का निराकरण हुआ। इनमें कुल 4 करोड़ 79 लाख 82 हजार 929 रुपए की चेक राशि का सेटलमेंट हुआ। इसके अलावा 219 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया गया, जिनमें 14 लाख 80 हजार 561 रुपए के अवाई पारित हुए।

लोक अदालत न्याय के साथ सौहार्द का मंच - कपिल मेहता-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कपिल मेहता ने कहा कि नेशनल लोक अदालत केवल लंबित मामलों के निपटारे का माध्यम नहीं है, बल्कि पक्षकारों के बीच आपसी सौहार्द, सहयोग और सामाजिक समरसता स्थापित करने का प्रभावी मंच भी है।

उन्होंने कहा कि न्यायाधीश और अधिवक्ता अपने श्रम, समय और अनुभव के माध्यम से विवादों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यायालय परिसर को मिली समर्पित एंबुलेंस-लोक अदालत के दौरान न्यायिक परिवार और अधिवक्ता समुदाय के सहयोग से न्यायालय परिसर के लिए समर्पित एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई। न्यायाधीशों ने 51 हजार रुपए तथा कर्मचारियों ने 24 हजार 100 रुपए का सहयोग दिया। एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार और आवश्यक आपातकालीन चिकित्सा उपकरण उपलब्ध रहेंगे। न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों, आम नागरिकों, अधिवक्ताओं और कर्मचारियों को यह सेवा निःशुल्क मिलेगी।

कार्यक्रम में कलेक्टर ऋतुग्राह सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जितेन्द्र सिंह कुशवाह, जिला न्यायाधीश उमाशंकर अग्रवाल, जिला न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल, जिला न्यायाधीश प्रसन्न सिंह बहरावत, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश डॉ. रविकांत सोलंकी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भारत सिंह कनेल, संचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रोहित श्रीवास्तव सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक अधिकारी, पैरालीगल वालेंटियर्स और पक्षकार उपस्थित रहे।

फसलों में कीटनाशक व फफूंदनाशक का उपयोग करते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। फसलों में खरपतवारनाशक, कीटनाशक और फफूंदनाशक दवाओं के उपयोग के दौरान किसानों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जिले के किसानों को दवा खरीदते, घोल बनाते, छिड़काव करते समय और छिड़काव के बाद अपनाने योग्य महत्वपूर्ण सावधानियों की जानकारी दी है।

उप संचालक कृषि से कहा है कि फसल में एक बार प्रयोग के लिए जितनी मात्रा में दवा की आवश्यकता हो उसनी ही खरीदें। रिसते हुए डिब्बों, खुले ढक्कन, फटे बैग या बिना लेबल वाली तथा एक्सपायरी डेट वाली दवा न खरीदें। प्रतिष्ठित कंपनी की उच्च गुणवत्ता वाली दवा का ही चुनाव करें। साथ ही कृषि आदान विज्ञेता से दवा का पक्का बिल अवश्य लें।

घोल बनाते समय अपने हाथ, मुंह, आंख, नाक तथा कान को अच्छी तरह ढक्कर रखें। हमेशा स्वच्छ एवं साफ पानी का ही इस्तेमाल करें।

बच्चों की माताओं ने सजाए मंगलमूर्ति, उत्कृष्ट प्रतिमा को मिला पुरस्कार

प्रकृतिक एवं सुरक्षित सामग्री से बनी हो, हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा को दर्शाए और बच्चों को प्रकृति संरक्षण का सुंदर संदेश दे। जिसके चरिते गणेश प्रतिमाओं को बनाने के लिए मिट्टी के साथ प्राकृतिक रंग, औषधीय पौधों के बीज, पत्तियां, फूल, लकड़ी एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का रचनात्मक उपयोग किया गया है ताकि जब हम घर में बप्पा का विसर्जन करें तो उनके आशीर्वाद के रूप में हमें घर में उपयोगी हरियाली मिले। उत्कृष्ट प्रतिमा बनाने वाली माताओं को किया सम्मानित- इस प्रतियोगिता में यूं तो माताओं ने एक से बढ़कर एक मिट्टी की प्रतिमाएं तैयार की जिनमें उनके भाव स्पष्ट नजर आ रहे थे। जिसमें से निर्णायक मंडल को बेहतर प्रतिमा चुनने में काफी मशकत करना पड़ी। अंत में सबसे उत्कृष्ट प्रतिमा का चयन कर उसे बनाने वाली माता को सहज पब्लिक स्कूल परिवार द्वारा सम्मानित किया गया।

पालने में झूले महावीर, ‘वीर जन्मे’ के जयघोष से गूंजा शातिनाथ जिनालय

अक्षत वर्षा कर मनाया भगवान महावीर का जन्मोत्सव, वाजते-गाजते पालना लेकर लाभार्थी परिवार के घर पहुंचा चतुर्विध संघ

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपुष्प पर्व के पावन अवसर पर रविवार को जैन कॉलोनी स्थित श्री शातिनाथ जिनालय में भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। चातुर्मास के लिए विराजित पुज्य साध्वीश्री अहर्मव्रता श्रीजी म.सा. एवं साध्वीश्री की पावन निश्रा में आयोजित वीर जन्मवाचन समारोह में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता की। भगवान महावीर के जन्मवाचन के साथ ही श्रद्धालुओं ने अक्षत वर्षा कर प्रभु को वधाया। इस दौरान ‘कुंडलपुर में बधाई, नगरी में वीर जन्मे’ जैसे मधुर मंगल गीतों और जयघोष से पूरा पंडोल गुंज उठा।

ट्रस्ट कोषाध्यक्ष निलेश पमारिया ने बताया कि प्रतिवर्ष पशुपुष्प पर्व के छठे दिवस बीज के दिन युगप्रभावक गुरुदेव पुण्यसम्राट श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरिधरजी महाराजा की प्रेरणा से निर्मित श्री शातिनाथ जिनालय में भगवान महावीर का जन्मोत्सव मनाया जाता है। पशुपुष्प पर्व के अवसर पर मंदिरजी में आकर्षक साज-सज्जा की गई। जन्मवाचन समारोह के दौरान शातिनाथ जिनालय में अष्टप्रकारी पूजन की वार्षिक बोलियां एवं अन्य चढ़ावे भी बोले गए। विधिकारक हेमंत



कारंकरिया ने विधि-विधानपूर्वक जाजम कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन श्री संघ अध्यक्ष मनीष जैन, सचिव हर्षित नागदा, मन्दिर ट्रस्ट अध्यक्ष बृजेश बोहरा, सचिव दिनेश चौरड़िया, चातुर्मास समिती अध्यक्ष शरद आंचलिया एवं सकल श्री संघ अध्यक्ष व भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने भगवान महावीर के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का

शुभारंभ किया।

इसके बाद वार्षिक चढ़ावे हुए। सर्वाधिक चढ़ावे केसर पूजन का लाभ भंवरलाल-अमिष कुमार गांग परिवार ने लिया। भगवान के मुनीमजी बनने, पालना जी के लाभ, आज की आंगी तथा धूप पूजन व नवीन चढ़ावे अखंड दीपक का लाभ कांतीलाल-सौभाग्यमल गेलड़ा परिवार ने लिया।

पुज्य साध्वीश्री अहर्मव्रता श्रीजी म.सा. ने श्रीसंघ को भगवान महावीर के जन्म का वाचन श्रवण करवाया। साध्वीश्री ने जिनालय में तन-मन-धन से सेवा दे रहे समस्त संघ सदस्यों एवं ट्रस्टियों की अनुमोदना की।

मधुर भजनों से भक्तिमय हुआ वातावरण-जन्मोत्सव कार्यक्रम में सुरेश नाहटा, सुनील वागरेचा, अभिषेक कोलन, आशीष चौधरी, आयुष बोहरा, सोनव वागरेचा एवं मुकेश बोहरा ने संगीतमय चढ़ावे करवाए। महावीर संगीत मंडल द्वारा पशुपुष्प पर्व के दौरान प्रतिदिन रात्रि भव्य प्रभु भक्ति की जा रही है। भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु भगवान महावीर की आराधना में लीन नजर आए।

आरती के पश्चात समस्त चतुर्विध संघ वाजते-गाजते पालना जी के लाभार्थी गेलडा परिवार के गृह निवास जैन कालोनी पर पहुंचा,

जहां परिवार की ओर से संघ पूजा की गई।

सेवा देने वाले भक्तों की अनुमोदना- श्री राजेन्द्र सूरि जैन ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिरजी में साज-सज्जा का लाभ लेने वाले लाभार्थी अभय बोहरा (जैन टेंट हाउस), डेकोरेशन के लिए शरद जैन (गबुल) सहित पशुपुष्प पर्व के दौरान प्रतिदिन समाज के कलाकारों द्वारा की गई भव्य अंगरचना के कलाकारों एवं पुजारीजी की भावपूर्ण अनुमोदना की गई।

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष बृजेश बोहरा ने जिनालय में वर्षभर निःशुल्क प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सेवा देने वाले सभी भक्तों की खूब-खूब अनुमोदना की। उन्होंने समाजजनों द्वारा धार्मिक आयोजनों में दिए जा रहे सहयोग की सराहना की।

जन्मोत्सव कार्यक्रम के पश्चात जिनालय ट्रस्टियों एवं सुमतिलालजी-सुरेंद्र कुमारजी मेहता परिवार द्वारा प्रभावना का लाभ लिया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज वागरेचा ने किया।

कार्यक्रम में जिनालय ट्रस्टियों सुभाष गेलड़ा, दिलीप ओरा, राजकुमार भारतीय, कमलेश नागदा, करुणेश बोहरा, सुशील सकलेचा, विजय मेहता, मनोज ओरा, सुरेश जैन, दिलीप गांधी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

संचालक कृषि ने किया गोदावरी जैविक फार्म का निरीक्षण, खेती के आधुनिक मॉडल को सराहा



जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संचालक उमाशंकर भागव ने आज रविवार को जिले के बरेला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कल्युड़ी स्थित %गोदावरी जैविक फार्म% का विस्तृत अवलोकन तथा यहाँ अपनाये जा रहे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटकों और नवाचारों की सराहना की।

संचालक कृषि श्री भागव मंडला जिले के प्रवास के बाद बरेला पहुंचे थे। गोदावरी जैविक फार्म के अवलोकन के दौरान इस फार्म के संचालक अजय धगत एवं श्रीमती अंशुमाला धगत ने उनके द्वारा अपनाई जा रही कृषि की आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों की विस्तार से जानकारी दी।

संचालक कृषि को बताया गया कि फार्म में स्थापित ड्रिजैस्टर से प्रतिदिन लगभग 200 लीटर जीवामृत या जैविक खाद तैयार होती

है। इसे पाइप और वेंचुरी प्रणाली के माध्यम से सीधे खेतों तक छिड़काव के लिए पहुंचाया जाता है।

इस अवसर पर संचालक कृषि ने फार्म में अपनाई जा रही मल्टी लेयर फार्मिंग का अवलोकन भी किया। उन्होंने सोलर ड्रायर का निरीक्षण भी किया, जिसके माध्यम से हरी धनिया, भाजी, पुदीना, धनिया व विभिन्न सब्जियों को सुखाया जाता है ताकि उनका प्राकृतिक हरा रंग और गुणवत्ता बनी रहे।

वेदर स्टेशन देखा- संचालक कृषि ने मौसम के सटीक पूर्वानुमान और प्रबंधन के लिए गोदावरी जैविक फार्म में स्थापित किये गये वेदर स्टेशन को भी देखा। फार्म स्थित गिर गौशाला के अवलोकन के दौरान उन्हें बताया गया कि भाग्यों के गोबर व गौमूत्र की धुलाई नालियों के माध्यम से एक विशेष तालाब में एकत्र होती है, जिसका उपयोग जैविक खाद निर्माण में

किया जाता है।

भीतरी मार्ग पर लगाई हल्दी और अदरक - गोदावरी जैविक फार्म के भीतर आवागमन के लिए छोड़े गये स्थान के दोनों ओर बारियों में हल्दी और अदरक उगाई गई है। संचालक कृषि ने स्थान प्रबंधन के इस मॉडल की प्रशंसा करते हुए इसे किसानों के लिए अतिरिक्त आय का एक बेहतरीन जरिया बताया।

इस अवसर पर संचालक कृषि को फार्म में तैयार विभिन्न जैविक उत्पादों की विशेषताओं की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि प्रत्येक रविवार को जबलपुर कृषि उपज मंडी परिसर में लगने वाले जैविक हट के माध्यम से इन उत्पादों का विक्रय किया जा रहा है और लगातार इन उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

गोदावरी जैविक फार्म की गतिविधियों, आधुनिक तकनीकों और नवाचारों से प्रभावित होकर कृषि संचालक उमाशंकर भागव ने फार्म की सराहना की तथा विभागीय अधिकारियों को इस मॉडल पर एक लघु फिल्म बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, परियोजना संचालक आत्मा डॉ इंदिरा त्रिपाठी, उप संचालक कृषि उमेश कटहरे तथा एसडीओ जबलपुर रश्मि परसाई उपस्थित रहे।

श्री चौबीस अवतार मंदिर में धूमधाम से मनेगा हरतालिका तीज महोत्सव



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री चौबीस अवतार मंदिर महातीर्थ, देपालपुर में हरतालिका तीज का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। हरतालिका तीज महोत्सव के अवसर पर मंदिर के विशाल एवं

भव्य परिसर में मातृशक्ति द्वारा विधि-विधान से पूजन किया जाएगा। वहीं श्रीधर झकरज जी सहित महिला भजन गायिकाओं द्वारा पूरी रात भजन-कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही कलाकारों द्वारा भगवान की विभिन्न लीलाओं पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का लाभ लेंगी। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति, परंपरा और संस्कारों का संदेश भी दिया जाएगा। हरतालिका तीज महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहेगा। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियों की जा रही हैं।

भगवान के पालने की लगी बोली, नगर में निकली भव्य शोभायात्रा



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में जैन श्वेतांबर समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर धार्मिक आयोजन एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान के जन्मोत्सव से जुड़े 14 सपनों एवं पालना जी की बोली लगाई गई, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा में जैन श्वेतांबर समाज के बड़ी संख्या में सामाजिकजन एवं नगरवासी शामिल हुए। यात्रा के दौरान धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जैन श्वेतांबर मंदिर परिसर पहुंची। इस अवसर पर नगर के लोकप्रिय समाजसेवी अरुण बाबा शर्मा एवं मनीष परमार द्वारा शोभायात्रा में शामिल वरिष्ठ सामाजिकजनों एवं नगरवासियों का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने के बाद महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को लड्डू की महाप्रसादी का वितरण किया गया। आयोजन में जैन समाज के लोगों सहित नगरवासियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 को लेकर जागरूकता एवं पंजीयन अभियान

बालाघाट/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग किज-2027 को लेकर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा माय भारत बालाघाट द्वारा जिले में व्यापक जागरूकता एवं पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर खिलाड़ियों, विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, खेल क्लबों, लाइब्रेरी तथा बस

स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर युवाओं को अभियान से जोड़ने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।जिला खेल अधिकारी राहुल कल्याण ने बताया कि अभियान के तहत विकासखंड लालबारी में विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक

संख्या में इस राष्ट्रीय पहल से जुड़ने की अपील की।

खेल अधिकारी ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग किज-2027 (VBILD QUIZ-2027) केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं के लिए देश के सामने अपने विचार और विजन रखने तथा अपने जिले और राज्य का प्रतिनिधित्व करने का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच है।

बालाघाट/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में धान की फसल पर कीट एवं रोगों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कृषि विभाग ने खेतों की निगरानी तेज कर दी है। उपसंचालक कृषि फूल सिंह मालवीय ने विभागीय अधिकारियों के साथ कटंगी, खैरलांजी और वारासिवनी विकासखंडों का सघन भ्रमण कर धान की फसलों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों को फसल की वर्तमान अवस्था में यूरिया का उपयोग नहीं करने तथा कीट-रोग नियंत्रण के लिए जैविक उपाय अपनाने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान कई खेतों में तना छेदक,



पत्ती लपेटक एवं माहू जैसे रस चूसक कीटों के साथ ब्लाइट और शीथ ब्लाइट रोग के

लक्षण पाए गए। उपसंचालक कृषि ने किसानों को बताया कि पत्ती लपेटक एवं तना छेदक के नियंत्रण के लिए स्थानीय स्तर पर तैयार अग्न्यास्त्र या ब्रह्मास्त्र का 6 लीटर घोल 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव किया जा सकता है। पत्ती लपेटक की इल्लियों को नियंत्रित करने के लिए खेत में रस्सी चलाने की विधि भी अपनाई जा सकती है। माहू एवं अन्य रस चूसक कीटों के नियंत्रण के लिए नीमास्त्र अथवा दशपणी अर्क के छिड़काव की सलाह दी गई।

वहीं ब्लास्ट जैसे फफूंदजनित रोगों की रोकथाम के लिए प्राकृतिक फफूंदनाशक का उपयोग करने तथा खेत एवं मेड़ों की साफ-स्थानीय स्तर पर तैयार अग्न्यास्त्र या ब्रह्मास्त्र का 6 लीटर घोल 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव किया जा सकता है। पत्ती लपेटक की इल्लियों को नियंत्रित करने के लिए खेत में रस्सी चलाने की विधि भी अपनाई जा सकती है। माहू एवं अन्य रस चूसक कीटों के नियंत्रण के लिए नीमास्त्र अथवा दशपणी अर्क के छिड़काव की सलाह दी गई।

वर्तमान अवस्था में यूरिया से बचें- उपसंचालक कृषि मालवीय ने किसानों को विशेष रूप से समझाईश दी कि धान की वर्तमान अवस्था में खेतों में यूरिया का उपयोग नहीं करें। उन्होंने बताया कि अधिक मात्रा में नाइट्रोजन देने से पौधों की पत्तियां अत्यधिक कोमल हो जाती हैं, जिससे कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ने की संभावना रहती है।

साहब... जरा रंगवासा क्षेत्र में भी देखो, गांव-गांव अवैध शराब के अड्डों से ग्रामीण परेशान, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

लाइसेंसी दुकान की आड़ में अवैध कारोबार के आरोप; महिलाओं को परेशानी, पुलिस और आबकारी विभाग से कार्रवाई की मांग

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटमा के पास रंगवासा क्षेत्र में गांव-गांव अवैध शराब बिकने की शिकायतों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में शराब के अवैध अड्डे खुलेआम संचालित हो रहे हैं। इससे गांवों का माहौल बिगड़ रहा है और महिलाएं परेशान हैं। ग्रामीणों ने पुलिस एवं आबकारी विभाग से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

लाइसेंसी दुकान की आड़ में अवैध कारोबार के आरोप- ग्रामीणों का आरोप है कि रंगवासा चौराहे पर संचालित लाइसेंसी शराब दुकान की आड़ में आसपास के गांवों तक अवैध शराब का कारोबार फैल गया है। ग्रामीणों ने शराब ठेकेदार संतोष मालवीय पर गांव-गांव शराब पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि रंगवासा के आसपास शायद ही कोई ऐसा गांव बचा हो, जहां अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें



सामने नहीं आ रही हैं। गांवों में खुलेआम शराब बिकने से ग्रामीणों में नाराजगी है। महिलाओं को निकलने में परेशानी, शराबियों का जमावड़ा- ग्रामीणों के अनुसार गांवों में शराब बिक्री के कारण शराबियों का

जमावड़ा लगा रहता है। इससे महिलाओं को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि शराब के अवैध अड्डों पर रोक नहीं लगने से स्थिति लगातार बिगड़ रही है।

सागर शराब कांड के बाद भी नहीं चेते जिम्मेदार-ग्रामीणों ने सागर में सामने आए शराब कांड का हवाला देते हुए कहा कि अवैध शराब के कारोबार पर समय रहते रोक लगाना जरूरी है। उनका सवाल है कि कहीं रंगवासा क्षेत्र में भी किसी बड़े हदसे का इंतजार तो नहीं किया जा रहा?

पुलिस और आबकारी विभाग से कार्रवाई की मांग- ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध शराब बिक्री की जानकारी पुलिस और आबकारी विभाग को भी दी जा चुकी है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही। ग्रामीणों ने मांग की है कि रंगवासा चौराहे सहित आसपास के गांवों में अवैध शराब के अड्डों की जांच कर दोषियों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का सीधा सवाल है-साहब, जरा रंगवासा क्षेत्र में भी देखो... गांव-गांव अवैध शराब बिक रही है, आखिर जिम्मेदार कब जागेगे?

सीएम की सभा में अत्यवस्था: कीचड़ में फंसकर निकलते रहे लोग, महिलाओं को हुई भारी परेशानी

जवाबदारों की गंभीर लापरवाही ने बढ़ाई परेशानी, बारिश के बाद सभा स्थल पर नहीं किए गए पर्याप्त इंतजाम



आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम के लिए तैयार किए गए सभा स्थल पर रविवार को व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। बारिश के बाद पूरे मैदान में कीचड़ और पानी जमा हो गया। हालात यह रहे कि सभा में पहुंचने वाले लोगों को कीचड़ से बचते-बचाते आगे बढ़ना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बुजुर्गों को उठनी पड़ी।

सभा स्थल पर लोगों की आवाजाही के लिए पर्याप्त समुचित व्यवस्था नहीं होने से कई जगह रास्ते कीचड़ में तब्दील हो गए। लोगों को जूते-चप्पल संभालते हुए निकलना पड़ा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी के बावजूद उनके आने-जाने के रास्तों को

लेकर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए।

बारिश की संभावना के बावजूद व्यवस्था क्यों नहीं- कार्यक्रम पहले से निर्धारित था और बारिश के मौसम को देखते हुए सभा स्थल पर पानी निकासी, चलने के लिए पक्के अथवा सुरक्षित रास्ते और कीचड़ से बचाव के इंतजाम किए जाने चाहिए थे। इसके बावजूद मैदान की स्थिति देखकर साफ नजर आया कि जिम्मेदारों ने व्यवस्थाओं को लेकर गंभीरता नहीं बरती।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जिलेभर से आमजन के पहुंचने की जानकारी होने के बावजूद ऐसी अव्यवस्था जवाबदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आयोजन पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद यदि आम लोगों को कीचड़ में चलकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना पड़े तो व्यवस्थाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सवाल यह है कि जब बारिश की आशंका पहले से थी, तो सभा स्थल को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुविधा का ध्यान क्यों नहीं रखा गया? बारिश ने भले ही अव्यवस्था को उजागर किया हो, लेकिन ऐसी स्थिति से निपटने की जिम्मेदारी आयोजन से जुड़े जवाबदारों की थी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शंभु ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन दर्शन का 13वां पड़ाव बना खड़े हनुमान मंदिर

विस्थापन की खबरों के बाद बढ़ी आस्था... बाहर से आने वाले श्रद्धालु 12 प्रमुख स्थानों के साथ अब सबसे पहले पहुंच रहे मंदिर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए अब तक उज्जैन दर्शन का मतलब 12 प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल हुआ करता था। ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य स्थानीय परिवहन के चालक भी इन्हीं स्थानों का पैकेज बनाकर बाहर से आए लोगों को दर्शन कराते हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों में तस्वीर तेजी से बदली है। छत्री चौक के समीप स्थित खड़े हनुमान



मंदिर को हटाने की कार्रवाई की खबरें देशभर में चर्चा में आने के बाद यह मंदिर श्रद्धालुओं की पहली पसंद बन गया है। अब बाहर से आने वाले लोग उज्जैन दर्शन के तय 12 स्थानों के साथ खड़े हनुमान मंदिर को भी

अपनी यात्रा में शामिल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उज्जैन दर्शन के प्रमुख स्थलों में महाकालेश्वर मंदिर, बड़ा गणेश मंदिर, हरसिद्धि मंदिर, चार धाम मंदिर, राजा विक्रमादित्य का टीला, शिपा नदी का रामघाट,

सांदीपनि आश्रम, मंगलनाथ मंदिर, सिद्धवट मंदिर, काल भैरव मंदिर और भूतहरी गुफा सहित प्रमुख स्थान शामिल हैं। शहर में आने वाले पर्यटकों को ऑटो और ई-रिक्शा चालक इन्हीं स्थानों का भ्रमण कराते हैं। अब इस सूची में खड़े हनुमान मंदिर का नाम भी जुड़ गया है।

हटाने की चर्चा ने बड़ाई जिज्ञासा, दर्शन को पहुंच रहे बाहर से आए लोग- ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से खड़े हनुमान मंदिर को लेकर चल रही चर्चाओं का असर सीधे श्रद्धालुओं पर दिखाई दे रहा है। बाहर से

आने वाले कई लोग खुद मंदिर के बारे में पूछ रहे हैं और उज्जैन दर्शन के दौरान यहां पहुंचना चाहते हैं। खास बात यह है कि कई श्रद्धालु पहले खड़े हनुमान के दर्शन और फिर शहर के अन्य प्रमुख स्थानों की ओर जाने की इच्छा जता रहे हैं।

आस्था के साथ कौतूहल भी बना कारण- मंदिर को लेकर चल रही विस्थापन की चर्चाओं ने श्रद्धालुओं में जिज्ञासा भी बढ़ा दी है। शहर के बाहर से आने वाले लोगों के लिए अब खड़े हनुमान मंदिर केवल स्थानीय धार्मिक स्थल नहीं रह गया है, बल्कि उज्जैन यात्रा का ऐसा पड़ाव बन गया है, जिसे वे अपनी सूची में शामिल करना चाहते हैं। स्थानीय परिवहन चालकों का कहना है कि 12 प्रमुख दर्शनीय स्थलों के बाद अब खड़े हनुमान मंदिर को उज्जैन दर्शन का 13वां प्रमुख स्थान माना जाने लगा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को उज्जैन में होगा भव्य दीपोत्सव

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को उज्जैन शहर में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिले के प्रमुख घाटों एवं महाकाल लोक में लाखों दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीपोत्सव की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री रैशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नेहा जैन ने दीपोत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि ‘आशीर्वाद का दिया’ कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के प्रमुख घाटों एवं महाकाल लोक में 25 लाख दीप



प्रज्वलित किए जाएंगे। दीपोत्सव का आयोजन 17 सितंबर की शाम 7 बजे किया जाएगा।

कार्यक्रम के लिए स्थानों को 7 सेक्टर एवं 250 सब-सेक्टर में विभाजित किया जाएगा। सात प्रमुख सेक्टरों में केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट, दत्त अखाड़ा, भूछी माता, महाकाल लोक कॉरिडोर तथा रामघाट के दो सेक्टर शामिल हैं।

प्रत्येक सेक्टर में व्यवस्थाओं के लिए बड़ी संख्या में वॉलंटियर्स की तैनाती की जाएगी। कुल 22,500 वॉलंटियर्स दीप प्रज्वलन एवं व्यवस्थाओं में सहयोग करेंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिस वॉलंटियर की ड्यूटी जिस सेक्टर एवं सब-सेक्टर में निर्धारित की गई है, वह उसी स्थान पर अपनी ड्यूटी करें, ताकि व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। उन्होंने सभी सेक्टरों की कलर कोडिंग करने के निर्देश भी दिए, जिससे वॉलंटियर्स एवं आमजन को अपने निर्धारित क्षेत्र की पहचान करने में सुविधा हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपोत्सव को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित रूप से सम्पन्न कराने के लिए कंट्रोल रूम, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, ट्रैफिक व्यवस्था, स्वास्थ्य केंद्र, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने दीपकों के प्रज्वलन के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं भी पूर्व से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का समयसीमा में निर्वहन सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो सके।

जहरीला पदार्थ खाने वाले युवक की 13 दिन बाद मौत



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मां के डांटने पर पुत्र ने खेत पर जाकर जहर खा लिया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया 13 दिन बार चले उपचार के बाद रात में युवक की मौत हो गई। ग्राम भदवासा बड़ोद के रहने वाले संदीप पिता लखन 19 वर्ष को 31 अगस्त की शाम आगर अस्पताल लाया गया था, जहां दो दिन भर्ती रखने के बाद उसे उज्जैन लाया गया जहां दो निजी अस्पताल में उपचार चलने के बाद भी उसकी

हालत में सुधार नहीं आ पाया। दो दिन पहले परिजन उसे तीसरी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां रात में संदीप की मौत हो गई। रविवार सुबह माधव नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया। भाई कुलदीप ने बताया कि संदीप हाली का काम करता था। 31 अगस्त को शराब पीकर घर लौटा था। मां रेखा ने उसे डांट दिया था इसके बाद वह खेत पर चला गया था जहां उसने कीटनाशक दवा पी ली हालत बिगड़ने पर फोन कर बताया कि जहर खा लिया है। माधव नगर थाना पुलिस के अनुसार मामला आगर मालवा के बड़ोद जिले का है। मार्ग डायरी जांच के लिए भेजी जाएगी।

बाइक सवार की मौत के बाद देवास रोड पर चक्काजाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार सुबह देवास रोड पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत के बाद लोगों ने चक्का जाम कर दिया। कुछ देर में ही उज्जैन देवास मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब 2 घंटे बाद पुलिस ने आवागमन शुरू कराया।

नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम बोलसा में सुबह 11 के लगभग बाइक सवार को तेज गति से दौड़ती कार ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना के बाद मौके पर बाइक सवार की मौत हो गई। दुर्घटना देख लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए लोगों ने उज्जैन देवास मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। मृतक की पहचान रामचंद्र पिता सेवाराम प्रजापत 48 साल निवासी चंद्रावतीगंज इंदौर के रूप में हुई। उसके साथ पोती रूक्मिका बाइक पर सवार थी। जिसे मामूली चोट लगी थी। दुर्घटना की खबर

उज्जैन में 24 घंटे में आधा इंच से अधिक बारिश

दो दिन और बरस सकते हैं बादल, जिले में अब तक औसत 22.18 इंच वर्षा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे अंतराल के बाद शनिवार सुबह जिले में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हुआ। उज्जैन शहर सहित कई क्षेत्रों में कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश हुई। बारिश से तापमान में गिरावट आई और गर्मी व उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। रविवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटे में उज्जैन शहर में 16 मिमी (0.62 इंच) बारिश दर्ज की गई।

हालांकि बारिश के बाद मौसम सुधना हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई स्थानों पर बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञ राजेंद्र गुप्त के अनुसार अगले दो दिनों तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। जिले के अलग-अलग हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। जिले में औसत 22.18 इंच बारिश-



कलेक्ट्रेट की वर्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले में अब तक औसत 22.18 इंच बारिश दर्ज हुई है। हालांकि बारिश का वितरण समान नहीं रहा। कुछ क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई है, जबकि कई इलाकों में अब भी अच्छी वर्षा का इंतजार है। शनिवार की बारिश से किसानों को भी आने वाले दिनों में

बेहतर बारिश की उम्मीद जगी है।

कहां कितनी बारिश-
- उज्जैन – 26.14 इंच
- घंटिया – 19.60 इंच
- खाचरौद – 24.52 इंच
- नागदा – 25.07 इंच
- बड़नगर – 21.14 इंच
- महिंदपुर – 24.09 इंच
- झाड़ – 26.73 इंच
- तराना – 24.42 इंच
- माकड़ैन – 13.54 इंच
जिले में सबसे अधिक 26.73 इंच बारिश झाड़ों में, जबकि सबसे कम 13.54 इंच माकड़ैन में दर्ज हुई है। बारिश के असमान वितरण के कारण कई क्षेत्रों में अभी भी अच्छी वर्षा की जरूरत बनी हुई है।

प्रधान आरक्षक सौराष्ट्री का हार्ट अटैक से निधन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागझिरी थाने में तैनात प्रधान आरक्षक पप्पू सौराष्ट्री की सीने में दर्द उठने के बाद हार्ट अटैक से शनिवार शाम मौत हो गई। पुलिस विभाग में प्रधान आरक्षक की मौत होने की खबर आई तो नागझिरी थाना स्टाफ निजी अस्पताल पहुंच गया।

अभिषेक नगर में रहने वाला पप्पू पिता नारायण सिंह सौराष्ट्रीय नागझिरी थाने में प्रधान आरक्षक के पद पर 3 सालों से पदस्थ था। 27 साल पहले पुलिस विभाग में शामिल हुए पप्पू ने शहर के कई स्थानों पर अपनी ड्यूटी

कर्तव्य निष्ठ के साथ की थी। शनिवार शाम अचानक सीने में दर्द उठा और घर में ही सीड़ियों से गिर गया। परिवार उसे नानाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हार्ट अटैक से हुई मौत के बाद जहां नागझिरी थाने का स्टाफ अस्पताल पहुंच गया था वहीं नानाखेड़ा थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची थी। मामले में मर्ग कायम किया गया और प्रधान आरक्षक की बांडी को चरक अस्पताल लाया गया। रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है। बताया जा रहा है कि दिवंगत प्रधान

आरक्षक मूल रूप से शाजापुर का रहने वाला था और अभिषेक नगर में अपने पुत्र और मां के साथ रहता था। पत्नी से तलाक हो चुका था।

बिजली कर्मचारियों की भी हुई मौत- एमपीडब्लू कॉलोनी में रहने वाले बिजली कर्मचारी कौशैलेंद्र पिता माधव सिंह को भी सीने में दर्द उठने के बाद परिवार अस्पताल लेकर पहुंचा था जहां डॉक्टरों ने हार्ट अटैक होना बताया कुछ देर में ही कौशैलेंद्र की मौत हो गई। माधव नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

प्राकृतिक खेती की मिसाल बना धिनोदा का माधव कृषि फार्म

धिनोदा के किसान गिरधारी पाटीदार की पहल से खेत से ही हाथों-हाथ बिक रहे जैविक उत्पाद; शुरू किया जैविक मार्ट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत विगत शूक्रवार को कलेक्टर श्री रैशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कुम्ट, एसडीएम श्रीमती नेहा साहू, जनपद पंचायत खाचरौद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरिराज शर्मा, उपसंचालक कृषि श्री के.एस. कैन सहित कृषि विभाग खाचरौद की टीम नेविभाकसखंड खाचरौद के ग्राम धिनौदा स्थित माधव कृषि फार्मका अवलोकन किया गया। अधिकारियोंने यहां अपनाईजा रही जैविक एवं प्राकृतिक खेती की गतिविधियोंका स्थलीय निरीक्षण किया तथा किसान श्री गिरधारी पाटीदार सेखेती की प्रक्रिया, उत्पादन एवं विपणन केसंबंध मेंविस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

‘मानव स्वस्थ, भूमि स्वस्थ, वातावरण स्वस्थ’ की अवधारणा श्री गिरधारी पाटीदार नेमानव स्वास्थ्य, भूमि की उर्वरता और



पर्यावरण संरक्षण को केंद्र मेंरखते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देनेकी सार्थक पहल की है।

उनका प्रयास हैकि खेती मेंस्थानीय एवंप्राकृतिक संसाधनोंका अधिकतम उपयोग करते हुए कम लागत मेंस्वस्थ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्णकृषि उत्पाद तैयार किए जाएं।

रसायनोंपर निर्भरता घटारक मिट्टी की सेहत सुधारने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देनेका यह मॉडल अन्य किसानोंकेलिए भी प्रेरणादायी है।

खेत सेसीधेग्राहक तक पहुंच रहेजैविक उत्पाद माधव कृषि फार्मपर तैयार किए जा रहेजैविक उत्पादोंकी बढ़ती मांग का अंदाजा

इसी बात सेलगाया जा सकता हैकि कई उत्पाद फार्मपरिसर सेही हाथों-हाथ बिक जातेहैं। इससेकिसान को बाजार की अतिरिक्त लागत, परिवहन व्यय और बिचौलियोंपर निर्भरता कम करनेमेंमदद मिल रही है। खेत सेसीधे उपभोक्ता तक पहुंचनेवाला यह मॉडल उत्पादक को बेहतर मूल्य और उपभोक्ता को ताजा, प्रमाणित जैविक उत्पाद उपलब्ध करा रहा है।

किसान नेशुरू किया अपना जैविक मार्ट-प्राकृतिक खेती को केवल खेत तक सीमित न रखते हुए श्री पाटीदार नेजैविक मार्टकी भी शुरुआत की है। यहां जैविक उत्पादों की नियमित बिक्री की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओंको प्राकृतिक एवंजैविक उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो रहेहैं। साथ ही, यह पहल किसानों को बेहतर बाजार अवसर उपलब्ध कराने और स्थानीय स्तर पर जैविक उत्पादोंकी श्रृंखला विकसित करनेकी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्राकृतिक खेती को मिल रहा प्रशासन का

प्रोत्साहन अवलोकन के दौरान अधिकारियोंनेप्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देनेके प्रयासोंकी सराहना की। किसानोंको प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने, उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने तथा बाजार सेजोड़नेकेसंबंध मेंमार्गदर्शन दिया गया। कलेक्टर श्री रैशन कुमार सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियोंनेकहा कि कम लागत, स्वस्थ उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित ऐसी पहल जिलेमेंप्राकृतिक खेती को विस्तार देनेकी दिशा मेंप्रेरणादायी उदाहरण बन रही है।

जन विश्वास अभियान के अंतर्गत यह अवलोकन इस बात को रेखांकित करता हैकि प्रशासन न केवल योजनाओंकी समीक्षा कर रहा है बल्कि मैदानी स्तर पर सफल कृषक मॉडलों को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित भी कर रहा है। माधव कृषि फार्मकी यह सफलता-कथा उज्जैन जिलेमेंटिकाऊ, रसायन-मुक्त और बाजार-केंद्रित कृषि की संभावनाओंको और मजबूत करती है।

धोखाधड़ी में फरार 5 हजार का इनामी आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेघालय सरकार से स्ट्रीट लाइट प्रोजेक्ट का टेंडर दिलवाने के नाम पर एनआरआई से की गई 74 लाख की धोखाधड़ी का मुख्य आरोपी दिल्ली से पुलिस की हिरासत में आ गया। उसकी गिरफ्तारी पर



5 हजार का इनाम घोषित था। माधव नगर थाना पुलिस ने 15 मई 2025 को जितेंद्र पिता जीवनसिंह सोलंकी (स्कॉटलैंड) मूल निवासी इंदौर की शिकायत पर 73 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला हरपाल सिंह उर्फ संजय पिता मोडसिंह निवासी इंदौर, जितेंद्र पिता नरेंद्रसिंह राणावत निवासी इंदौर, पवन पिता रामचंद्र राव निवासी दीनदयाल नगर रतलाम, फैयाज पिता अप्पा साहब चिकोड़े निवासी आठवीं मंजिल अंतरिक्ष

भवन कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली और अभय प्रकाश नईदिल्ली के खिलाफ दर्ज किया था। मुख्य आरोपी फैयाज चौकोड़े होना सामने आया था जिसकी 15 माह से तलाश की जा रही थी। उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। कुछ दिन पहले उसके दिल्ली में होने की पुष्टा जानकारी मिलने पर पुलिस की एक टीम रवाना की गई, जहां अंतरिक्ष भवन कस्तूरबा गांधी मार्ग पर दबिश देकर फरार आरोपी को गिरफ्तार

किया गया। शूक्रवार रात उज्जैन लाने के बाद शनिवार को न्यायालय में पेश कर 7 दिन की रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार स्कॉटलैंड में रहने वाला जितेंद्र सोलंकी अपने घर इंदौर आया हुआ था उसने भारत में व्यापार करने के लिए कंसल्टंसी एजेंसी से संपर्क किया था। इस दौरान उसकी पहचान फैयाज चिकोड़े और उसके साथियों से हुई थी। सभी ने मेघालय सरकार से सोलर लाइट और पोल लगाने का टेंडर दिलाने के नाम पर उज्जैन बुलाया और 73 लाख रुपए ले लिए थे। उन्होंने कुछ फर्जी दस्तावेज भी दिखाए थे और सामान मंगवाने की बात कही थी कुछ दिन बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे पुलिस ने फैयाज के साथियों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था।

आज गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज एक साथ

महिलाएं रखेंगी निजंला व्रत, घर-घर और पंडालों में विराजेंगे विघ्नहर्ता गणेश- आज से 10 दिवसीय श्री गणेशोत्सव की शुरुआत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को गणेश भक्तों और सुहागिन महिलाओं के लिए धार्मिक रूप से विशेष दिन रहेगा। आज एक ही दिन गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज का पर्व मनाया जाएगा। तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग बनने से इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। हरतालिका तीज पर महिलाएं पति की दीर्घायु, सुखी दांपत्य और परिवार की समृद्धि की कामना से निजंला व्रत रखेंगी, वहीं गणेश चतुर्थी के साथ 10 दिवसीय श्री गणेशोत्सव की शुरुआत होगी।

आज सुबह से ही घरों से लेकर शहर के विभिन्न पंडालों में विघ्नहर्ता गणेश विराजमान होंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार शास्त्रीय मान्यता में तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग धार्मिक दृष्टि से विशेष माना जाता है। इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान गणेश तथा शिव-पार्वती की आराधना करने से सुख-सौभाग्य, दांपत्य जीवन

की शुभता और परिवार की समृद्धि की कामना की जाती है। गणेश प्रतिमा स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 11.30 बजे बताया गया है। ब्रह्म योग में गणपति पूजन को भी विशेष फलदायी माना गया है।

तीज पर शिव-पार्वती की पूजा, चतुर्थी पर गणपति आराधना- आज हरतालिका तीज पर महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन कर अखंड सौभाग्य और सुखी दांपत्य की कामना करेंगी। कई महिलाएं निजंला व्रत रखकर शाम को पूजन के बाद व्रत का पापन करेंगी। वहीं गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की विधिवत स्थापना और पूजन किया जाएगा। मान्यता है कि गणपति की आराधना से विघ्न दूर होते हैं और शुभ कार्यों की सफलता का आशीर्वाद मिलता है।

चिंतामन और बड़े गणेश मंदिर में विशेष आयोजन- आज गणेश चतुर्थी के साथ उज्जैन में

गणेशोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। प्रसिद्ध चिंतामन गणेश मंदिर और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। शहर में जगह-जगह गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू होगा। गणेशोत्सव के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से आने वाले श्रद्धालु भी उज्जैन पहुंचकर गणपति के दर्शन-पूजन करेंगे।

सुबह से मंदिरों में गुंजगे गणपति के जयकारे- गणेश चतुर्थी पर आज सुबह से ही शहर के मंदिरों में पूजा-पाठ का दौर शुरू हो जाएगा। एक ओर महिलाएं तीज का व्रत रखकर शिव-पार्वती की आराधना करेंगी, वहीं दूसरी ओर गणेश भक्त घरों और पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना की तैयारियों में जुटेंगे। शाम को पूजा-अर्चना और आरती के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गणेशोत्सव की रौनक नजर आएगी।

आज से महाकाल के दोनों अतिथि निवासों की ऑनलाइन बुकिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत की खबर है। मंदिर समिति द्वारा संचालित प सूर्य नारायण व्यास अतिथि निवास और महाकालेश्वर अतिथि निवास में कमरों की ऑनलाइन बुकिंग आज से शुरू होगी। श्रद्धालु मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपनी यात्रा की तारीख से एक माह पहले कमरा बुक कर सकेंगे। उदाहरण के लिए 14 अक्टूबर को अतिथि निवास में रहना है तो 14 सितंबर से बुकिंग की जा सकेगी। ऑनलाइन व्यवस्था से श्रद्धालुओं को घर बैठे उपलब्ध कमरों की जानकारी मिलेगी और अपनी सुविधा के अनुसार बुकिंग की जा सकेगी। इससे बुकिंग प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी होगी। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि अतिथि निवास की बुकिंग केवल महाकालेश्वर मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट से ही करें। किसी अनधिकृत व्यक्ति, एजेंट या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से बुकिंग नहीं कराएं।

उज्जैन में जलेंगे 25 लाख दीपक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर की शाम 7 बजे शहर के प्रमुख घाटों के साथ महाकाल लोक में 25 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए पूरे क्षेत्र को 7 सेक्टर और 250 सब-सेक्टर में बांटा गया है। दीप जलाने और व्यवस्थाएं संभालने के लिए 22,500 वॉलंटियर्स तैनात रहेंगे। दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर रैशन कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल भवन में अधिकारियों की बैठक ली। स्मार्ट सिटी की सीईओ नेहा जैन ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। सात प्रमुख सेक्टरों में केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट, दत्त अखाड़ा, भूछी माता, महाकाल लोक कॉरिडोर और रामघाट के दो सेक्टर शामिल हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वॉलंटियर अपने निर्धारित सेक्टर और सब-सेक्टर में ही ड्यूटी करेंगे। सभी सेक्टरों की कलर कोडिंग की जाएगी, ताकि वॉलंटियर्स और आमजन को अपने क्षेत्र की पहचान आसानी से हो सके। कार्यक्रम के दौरान कंट्रोल रूम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, यातायात, स्वास्थ्य केंद्र और पेयजल जैसी व्यवस्थाएं पहले से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से समयसीमा में तैयारियां पूरी करने को कहा, ताकि दीपोत्सव शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से हो। बैठक में नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ताजपुर में पिता पुत्र पर पड़ोसियों ने किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिन में हुए विवाद के बाद रात को पड़ोसी युवको ने घर लौटे पिता पुत्र पर हमला कर दिया। रात में ही घायल पिता पुत्र को उपचार के लिए परिवार अस्पताल लेकर पहुंचा। ताजपुर में रहने वाले शाहिद हुसैन और पिता शाकिर अहमद हुसैन को घायल हालत में चरक अस्पताल लाया गया था। दोनों को डॉक्टर ने उपचार के लिए भर्ती किया है। आज सुबह घायलों ने बताया कि उन पर पड़ोस में रहने वाले रईस, बिट्टू उर्फ रेहान और फरहान उर्फ चीकू ने डंडे पत्थरों से हमला किया था। शाहिद ने बताया कि वह ताजपुर में दुकान संचालित करता है पिता इंदौर गए हुए थे। दोनों देर शाम घर लौटे थे उन्हें पता चला कि दिन में मां घर के बाहर चैबर की सफाई कर रही थी इस दौरान पड़ोस में रहने वाले तीनों युवकों ने मां के साथ गाली गलौज की थी। वह रात में पड़ोसियों को समझाने पहुंचे थे इस दौरान उन्होंने हमला कर दिया। मामले में पंवासा थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार घायलों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं हमला करने वाले तीनों युवकों की तलाश जारी है।

जिले में 347 नवीन पात्रता पर्ची जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत एम राशन पोर्टल पर सत्यापित पात्र हितग्राहियों की आधार ईकैवायसी सत्यापन उपरांत शासन से 347 परिवारों की नवीन पात्रता पर्ची जारी की गई है एवं 16660 सदस्यों की पर्ची जारी की गई है। अनुविभागवार परिवार- अनुविभाग बडनगर 50 तराना 35, खाचरौद 87, महिंदपुर 58, उज्जैन शहर 34, घंटिया 58, उज्जैन ग्रामीण 13, नागदा 12 इस प्रकार कुल 347 नवीन पात्र परिवारों को नवीन पात्रता पर्ची जारी की गई है। संबंधित पात्र हितग्राही स्थानीय नगरीय निकाय / ग्राम पंचायत / खाद्य कार्यालय से सम्पर्क कर अपनी नवीन पात्रता पर्ची प्राप्त कर आगामी माह से राशन प्राप्त कर सकते है।